कोटद्वार, मंगलवार
9 सितम्बर 2025
वर्ष: 47
अंक: 125 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

चकलुवा में घर की छत से गिरकर मजदूर की मौत

हल्द्वानी। कालाढूंगी थाना क्षेत्र में रविवार रात घर की छत से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। वह खाना खाने के बाद सोने के लिए छत में गया था। रात को अंधेरे में छत से नीचे गिर गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मूलरूप से अमृतसर पंजाब निवासी 26 वर्षीय रोशनप्रीत पुत्र दिनेश मिरन फरीदाबाद में रह रहा था। मृतक के साथी ठेकेदार बिहार निवासी श्यामू कुमार ने बताया कि कालाढूंगी के चकलुवा गांव में एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। रविवार की सुबह ही वह फरीदाबाद से रोशनप्रीत व एक अन्य युवक के साथ चकलुवा आए थे। रात को नॉनवेज खाने के बाद गर्मी से बचने को वह घर की छत पर सोने चले गए। सुबह देखा तो रोशनप्रीत छत में नहीं था। तलाश करने पर वह छत से नीचे बेसुध मिला। उसके सिर पर चोट के निशान थे। कालाढूंगी अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसओ विजय मेहता ने बताया कि छत से गिरकर युवक की मौत हुई है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ट्रांसफॉर्मर पर आकाशीय बिजली गिरी ,18 घंटे झेली दिक्कत

हरिद्वार। उपनगरी ज्वालापुर के वार्ड 44 त्रिमूर्ति नगर में विद्युत पोल पर स्थापित ट्रांसफॉर्मर पर रविवार शाम को आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफॉर्मर खराब हो गया। इस दौरान वार्ड में बिजली सप्लाई बाधित हो गई। सोमवार को दिन में ऊर्जा निगम के कर्मचारियों ने ट्रांसफॉर्मर को बदलने का काम किया। इस दौरान करीब दो हजार की आबादी 18 घंटे तक बिजली गुल होने से परेशान रही। सोमवार शाम को काम पूरा होने के बाद क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति सुचारू हो सकी। पार्षद अहसान अंसारी ने बताया के रविवार रात को बारिश के दौरान ट्रांसफॉर्मर पर आकाशीय बिजली गिर गई।

हरिद्वार जिले को नौ नए चिकित्सक मिले

हरिद्वार। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने के लिए नौ नए चिकित्सकों की तैनाती की गई है। इन चिकित्सकों को जिला चिकित्सालय, उप जिला अस्पतालों और विभिन्न प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किया गया है। इससे लंबे समय से चिकित्सक विहीन चल रहे स्वास्थ्य केंद्रों में अब लोगों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा मिलने लगेगी। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय हरिद्वार में डॉ. ज्योति ममगाईं और डॉ. पीयूष रतूड़ी की तैनाती की गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीचंडी में डॉ. मोहम्मद एजाज, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मखदूमपुर में डॉ. स्नेहा बिजल्वाण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर राजपूताना में डॉ. प्रवीण कुमार को नियुक्त किया गया है।

किशोर पर अबोध बालिका से दुष्कर्म का आरोप

रुद्रपुर। सितारगंज के ग्रामीण क्षेत्र के एक 14 वर्षीय किशोर पर रिश्ते की तीन वर्ष की बहन के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। किशोर बच्ची को एक धार्मिक स्थल में ले गया था। धार्मिक स्थल के संस्थापक ने सीसीटीवी फुटेज में किशोर की करतूत देखी। तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी किशोर को संरक्षण में ले लिया है। घटना शनिवार की बताई जा रही है। दोपहर में एक धार्मिक स्थल में सामान बिखरा हुआ था। धार्मिक स्थल के संस्थापक ने सामान फैला देख वहां लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। कैमरे की फुटेज देखकर वह अवाक रह गए। इसमें एक किशोर बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। संस्थापक ने इसकी सूचना पुलिस को दी। एसएसआई विक्रम सिंह धामी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ली। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी और बच्ची की शिनाख्त के लिए पुलिस टीमें लगा दीं। पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। आरोपी 14 वर्ष का किशोर निकला। पुलिस ने किशोर से पूछताछ के आधार पर पीड़ित तीन वर्षीय बालिका का भी पता लगाया। पुलिस ने रविवार रात परिजनों के साथ बालिका को अस्पताल पहुंचाया।

नेपाल के विरोध—प्रदर्शन में 19 की मौत, 250 घायल

नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक ने दिया इस्तीफा, प्रदर्शनों में हिंसा के बाद लिया फैसला

काठमाडूं। नेपाल में जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक मरने वालों की संख्या 19 पहुंच गई है। जबकि 200 से ज्यादा घायल हैं। कई जगह पर प्रदर्शनकारियों ने सेना पर पथराव किया है।

नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोमवार शाम प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री आवास पर कैबिनेट बैठक के दौरान अपना इस्तीफा सौंपा। बैठक में मौजूद एक मंत्री के अनुसार, लेखक ने नैतिक आधार पर इस्तीफा दिया है।

इससे पहले नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा ने कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक में लेखक के इस्तीफे की मांग की थी। कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन लेखक ने बैठक में अपने इस्तीफे की मंशा जताई और फिर कैबिनेट बैठक में औपचारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया। गौरतलब है कि रमेश लेखक को 15 जुलाई 2024 को गृहमंत्री नियुक्त किया गया था।

अग्रिम जमानत के लिए सीधा हाईकोर्ट जाना सही? सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

नई दिल्ली। अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट जाने का विकल्प खुला रहेगा या फिर पहले सेशन कोर्ट जाना अनिवार्य होगा, इस विषय पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। शीर्ष अदालत ने ये भी कहा कि केरल हाईकोर्ट में यह प्रथा भी बन गई है, जिसमें अग्रिम जमानत की अर्जियों पर सीधे विचार किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी दो व्यक्तियों द्वारा केरल उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने सेशन कोर्ट गए बिना ही राहत के लिए सीधे हाईकोर्ट का रुख किया।

अग्रिम जमानत के लिए सीधा हाईकोर्ट गए वादी

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि केरल हाईकोर्ट में एक प्रथा प्रतीत होती है, जिसमें हाईकोर्ट द्वारा वादियों के बिना सेशन कोर्ट गए बिना ही अग्रिम जमानत की अर्जियों पर विचार किया जाता है।

आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था और जनसुविधाओं पर विशेष ध्यान दें : धामी

अस्पतालों की व्यवस्थाओं, जन सेवाओं को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, पुनर्निर्माण कार्यों, पर्यटन एवं जनसुविधाओं से संबंधित व्यापक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनता को त्वरित राहत, सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बरसात समाप्त होते ही मरम्मत और पुनर्निर्माण के कार्यों हेतु प्रशासनिक मशीनरी एक्टिव मोड में कार्यरत रहे। वर्षाकाल तक राहत सामग्री एवं ड्राई राशन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कहा कि आपदा प्रभावितों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। फसलों, पेयजल लाइन एवं सरकारी संपत्तियों को हुए नुकसान का त्वरित आंकलन कर शासन को रिपोर्ट भेजी जाए। नदी-नालों के पास निर्माण की अनुमति पर प्रतिबंध सख्ती से लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिबंधों का अनुपालन न करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को मानकानुसार त्वरित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी समय-समय पर अस्पतालों का निरीक्षण करें और विभिन्न व्यवस्थाओं का आंकलन करें। डेंगू, मलेरिया और अन्य जल जनित रोगों से बचाव के लिए अस्पतालों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में स्वास्थ्य विभाग की शीघ्र बैठक करें। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमान, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, वर्चुअल माध्यम से कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत और सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता दी जाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के बाद पुनर्निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्यों में तेजी लाई जाए। सरकारी निर्माण कार्यों में स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता दी जाए। गांवों और शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा के अधिकार के तहत प्रदान किए जा रहे विभिन्न प्रमाण पत्रों को आवेदनकर्ता जिस भाषा (हिंदी या अंग्रेजी) में मांगते हैं, उसी भाषा में उपलब्ध कराया जाए। नकली दवाओं के निर्माण और बिक्री की प्रक्रिया में सम्मिलित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

हरिद्वार : मनसा देवी पहाड़ी का हिस्सा ढहा

रेलवे ट्रैक पर मलबा गिरने से देहरादून,हरिद्वार मार्ग बाधित

हरिद्वार ,हरिद्वार के काली मंदिर के पास सोमवार सुबह उस वक्त एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया, जब मनसा देवी पहाड़ी का एक विशाल हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा। तेज रफ्तार से गिरे मिट्टी और चट्टानों के मलबे ने भीमगोड़ा रेलवे सुरंग के समीप रेलवे ट्रैक को पूरी तरह ढक लिया। इस घटना के कारण देहरादूनझहरिद्वार रेल मार्ग पूरी तरह ठप हो गया और क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। हादसे में मलबे का दबाव इतना ज्यादा था कि रेलवे ट्रैक पर लगे लोहे के सुरक्षा जाल को भी भारी क्षति पहुंची। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले भी इसी स्थान पर पहाड़ी का बड़ा हिस्सा टूटकर गिरा था।

सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस, आरपीएफ, सिविल पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। भारी मशीनरी की मदद से मलबा हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। ट्रैक को दुरुस्त करने और रेल यातायात बहाल करने में 8 से 10 घंटे का समय लग सकता है। प्रशासन का कहना है कि प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द ट्रैक को चालू करने का प्रयास किया जा रहा है। एसपी जीआरपी अरुणा भारती ने बताया कि सुबह करीब 6.30 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि काली मंदिर के पास रेलवे ट्रैक पर मलबा गिर गया है। फिलहाल जीआरपी, आरपीएफ, पुलिस और रेलवे का स्टाफ मौके पर मौजूद है और ट्रैक को खोलने का कार्य जारी है। उन्होंने आगे बताया कि सुबह देहरादून से चलने वाली वंदे भारत ट्रेन और एक पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया गया है। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। फिलहाल सभी ट्रेनों को अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया गया है, ताकि ट्रैक से मलबा पूरी तरह हटाया जा सके।

कांगड़ा : भूस्खलन से तीन मंजिला मकान गिरने की कगार पर, तीन परिवार हुए बेघर

कांगड़ा , हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश की मार ने जिला कांगड़ा के नूरपुर शहर के वार्ड नंबर 9 को हिलाकर रख दिया है। यहां भूस्खलन के कारण एक तीन मंजिला मकान गिरने की कगार पर पहुंच गया है।

शुरू में थोड़ी जगह धंसने से स्थिति गंभीर थी, लेकिन अब यह 10 फुट तक धंस चुकी है, जिससे मकान की संरचना को और अधिक खतरा हो गया है। इस हादसे से एक साथ तीन परिवार बेघर हो गए हैं। मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक अजय महाजन और योगेश महाजन सुंदरी ने प्रभावित परिवारों का हाल जाना। उन्होंने परिवारों को सांत्वना दी और प्रशासन से तुरंत समाधान की मांग की।

अजय महाजन ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि लगातार बारिश ने मकान की दीवारें और आधार को कमजोर कर दिया है। उन्होंने पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि जैसे ही बरसात रुकेगी, सरकार और स्थानीय प्रशासन सुरक्षा के उपाय शुरू कर देंगे।

पंजाब बाढ़ : भारतीय सेना का ऑपरेशन राहत जारी, जरूरतमंदों तक पहुंचाई मदद

पंजाब ,पंजाब में आई भीषण बाढ़ के बाद जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पंजाब के कई जिलों के गांवों में बाढ़ का कहर है। इस संकट में भारतीय सेना ऑपरेशन राहत के तहत रेस्क्यू अभियान चला रही है, जिसके जरिए जरूरतमंदों तक खाना, पानी और अन्य जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है।

भारतीय सेना के वज्र कॉर्प्स ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे राहत अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बचाव अभियान से संबंधित कुछ फोटो शेयर किए।

उन्होंने एक्स पर लिखा, ऑपरेशन राहत। पंजाब में बाढ़, घर उजड़े, जिंदगियां बिखरीं। निराशा के बीच भारतीय सेना गांव वालों के साथ खड़ी है। परिवारों को बचाते हुए, बुजुर्गों का सहारा बनते हुए, बच्चों को सुरक्षित उठाते हुए, भोजन, पानी और उम्मीद पहुंचाते हुए। हर आलिंगन भरोसे और उम्मीद का बंधन दर्शाता है। इसके अलावा, वज्र कॉर्प्स ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, हरिके, तरन तारन में सतलुज का पानी बढ़ा तो गांववाले और वज्र कॉर्प्स कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। बांध को मजबूत किया, दरार पाटी और अनगिनत जिंदगियां सुरक्षित कीं। एक सच्ची मिसाल– एकता, हिम्मत और भरोसे की।अभी बाढ़ से पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में से एक है। नदियां उफान पर हैं, जिससे हर जगह सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। स्थिति यह है कि पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ प्रभावित घोषित किए जा चुके हैं। सैकड़ों गांव जलमग्न हैं। कम से कम 43 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। भारी बारिश और बाढ़ के कारण पंजाब इस बार मानसून में बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पंजाब का दौरा करेंगे। भाजपा पंजाब ने सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पंजाब के गुरदासपुर आ रहे हैं।

ड्रग माफिया पर दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

30 लाख से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त

नई दिल्ली , दिल्ली पुलिस के नॉर्थ–वेस्ट जिले की ऑपरेशन सेल ने नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। सेल ने कुख्यात ड्रग तस्कर विजय कुमार की 30 लाख रुपए से अधिक की अवैध संपत्ति को फ्रीज कर दिया है। विजय कुमार को भरत नगर थाना क्षेत्र का बैड कैरेक्टर घोषित किया जा चुका है। यह अभियान उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन और पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाया जा रहा है। नशे पर नकेल कसने के लिए, दिल्ली पुलिस के उत्तर–पश्चिम जिले द्वारा विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। समाज से नशे की बुराई को जड़ से मिटाने के लिए, सभी संबंधित अधिकारियों को नशा–अपराधियों के विरुद्ध कड़ी एवं प्रभावी कार्रवाई करने

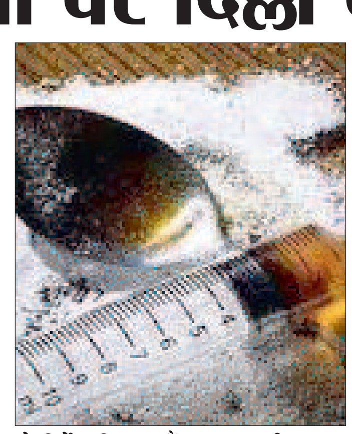

के निर्देश दिए गए हैं। 15 फरवरी 2025 को ऑपरेशन सेल/नॉर्थ–वेस्ट की टीम ने विजय कुमार के बेटे नितिन बद्धवान (22) को जेजे कॉलोनी, वजीरपुर से गिरफ्तार किया। उसके घर से 365 ग्राम हेरोइन और 1,88,200 रुपए नकद बरामद किए गए। इस मामले में भरत नगर थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पूछताछ में नितिन ने खुलासा किया कि वह अपने पिता विजय कुमार के इशारे पर काम करता था। इसके बाद पुलिस ने 20 मई 2025 को विजय कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर मदन मोहन (इंचार्ज, एंटी–नारकोटिक्स सेल) की अगुवाई में एसआई रवि सैनी और एसआई आकाशदीप की टीम ने जांच आगे बढ़ाई। पुलिस को वित्तीय लेन–देन की गहरी जानकारी हाथ लगी। इसमें विजय कुमार की तीन दोपहिया वाहन और एक संपत्ति सामने आई, जिनकी कुल कीमत 30 लाख रुपए से अधिक आंकी गई। जांच में पाया गया कि ये संपत्तियां ड्रग तस्करी से अर्जित पैसों से खरीदी गई हैं। इसके बाद एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 68–एफ(1) के तहत संपत्तियों को ज़ब्त करने का आदेश दिया गया। आदेश को वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के सक्षम प्राधिकारी को भेजा गया, जिन्होंने जांच के बाद विजय कुमार की संपत्तियों को फ्रीज कर दिया। सक्षम प्राधिकारी ने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि बिना अनुमति के इन संपत्तियों की बिक्री या खरीद नहीं हो सकेगी। आदेश की कॉपी जिला राजस्व अधिकारी, एसडीएम और परिवहन विभाग को भी भेजी गई है।

आरोपी विजय कुमार पिछले 7 सालों से ड्रग्स के धंधे में सक्रिय है। उस पर 11 संगीन मामले दर्ज हैं, जिनमें 5 एनडीपीएस एक्ट से जुड़े हैं। वहीं, नितिन बद्धवान 8वीं तक पढ़ा है और पिछले 3 साल से ड्रग्स की सप्लाई कर रहा है।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई का मकसद ड्रग तस्करी के नेटवर्क को जड़ से तोड़ना और उनकी आर्थिक कमर तोड़ना है। अवैध संपत्तियों की ज़ब्ती से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अपराधियों को अपने गैर–कानूनी काम से कोई फायदा न मिले। पुलिस लगातार ऐसे अपराधियों पर निगरानी रख रही है, जो समाज में नशे का जहर घोल रहे हैं और अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग्स का नेटवर्क चला रहे हैं।

गोलियों से दहल उठा यरुशलम, व्यस्त चौराहे पर अंधाधुंध फायरिंग में 4 लोगों की मौत, 2 हमलावर भी ढेर

यरुशलम , इजरायल की राजधानी यरुशलम में सोमवार को एक प्रमुख चौराहे पर हुई गोलीबारी की घटना से सनसनी फैल गई। शहर के उत्तरी प्रवेश द्वार पर हुई इस अंधाधुंध फायरिंग में 4 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों हमलावरों को मौके पर ही मार गिराया। इजरायली पुलिस और मेडिकल सर्विस 'मेगन डेविड एडोमझ् ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घायलों में से छह लोगों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। यह हमला यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर उस समय हुआ, जब वहां भारी ट्रैफिक था। यह सड़क पूर्वी यरुशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाती है, जो इसे एक बेहद संवेदनशील इलाका बनाती है। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने अचानक वाहनों और लोगों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिससे अफरा–तफरी मच गई। गोलीबारी शुरू होने के तुरंत बाद ही सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और दोनों हमलावरों को ढेर कर दिया। घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रंप की नए प्रतिबंध लगाने की धमकी का रूस ने उड़ाया मजाक

नई दिल्ली , यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध ने दुनिया भर को दो खेमों में लाकर खड़ा कर दिया है। पिछले दिनों यूक्रेन की राजधानी कीव में रूस द्वारा किए गए हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मॉस्को के ऊपर नए प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। अब क्रेमलिन की तरफ से अमेरिका की इस धमकी का जवाब आया है। ट्रंप की धमकी का मजाक उड़ाते हुए रूस की तरफ से इन प्रतिबंधों को बिल्कुल बेकार बताया है और दावा किया गया है कि इनका कोई असर नहीं होगा। न्यूज वीक की रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने प्रतिबंधों को लेकर की गई बयान बाजी को खारिज कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने यूक्रेन की राजधानी पर किए गए रूसी हवाई हमले को भी जायज ठहराते हुए यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों को कटघरे में खड़ा किया।

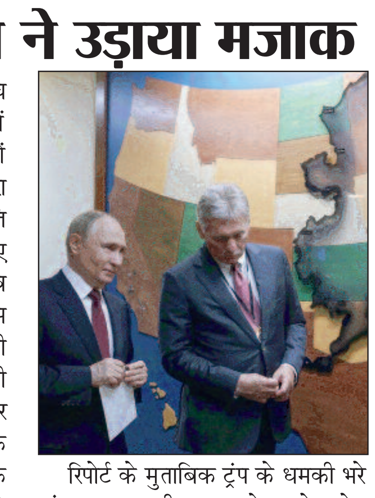

रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के धमकी भरे अंदाज पर अपनी बात रखते हुए पेसकोव ने कहा, "कुल मिलाकर एक बात तो कही जा सकती है कि पिछले कुछ समय से हमारे देश पर कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। लगभग चार साल हो गए हैं.. लेकिन इनका ज्यादा कोई असर नहीं है। रूस पर दबाव डालने के मामले में वह पूरी तरह से बेकार साबित हुए हैं।"

देहरादून में 'नारी 2025' रिपोर्ट पर बवाल

उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग ने कंपनी को जारी किया नोटिस

देहरादून। देवभूमि उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून को महिलाओं के लिए असुरक्षित बताने वाली राष्ट्रीय वार्षिक रिपोर्ट और सूचकांक (एनएआरआई) 2025 पर सवाल उठ गए हैं। उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग ने रिपोर्ट को लेकर पीवैल्यु एनालैटिक्स कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है और कंपनी के प्रबंध निदेशक को अगली सुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, सर्वे से जुड़ी सभी दस्तावेज़ और बैठक की मिनट्स रिपोर्ट एक सप्ताह में जमा करने का आदेश दिया गया है। आज आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल की अध्यक्षता में सुनवाई हुई। कंपनी की तरफ से प्रतिनिधि मयंक ढय्या उपस्थित रहे, जिन्होंने रिपोर्ट को 'एकेडमिक' बताते हुए क्षमा मांगी और कहा कि इसका उद्देश्य किसी शहर की छवि खराब करना नहीं था। लेकिन आयोग के सवालों के जवाब देने में वे असफल रहे। आवश्यक जानकारी न होने पर उन्होंने जवाब देने के लिए कंपनी से बात करने की बात कही, जिस पर आयोग ने उन्हें फटकार लगाई। कुसुम कण्डवाल ने कहा कि कंपनी के पास रिपोर्ट और सर्वे से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी का अभाव है। आयोग ने निर्देश दिए कि अगली सुनवाई 15 सितंबर 2025 को होगी, जिसमें प्रबंध निदेशक, प्रमुख इन्वेस्टिगेटर और सहायक इन्वेस्टिगेटर समेत पूरी रिसर्च टीम को उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

यूपी : सीएम योगी ने 400 बसों को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजधानी लखनऊ से प्रदेशवासियों को परिवहन विभाग की अनेक नई सौगातें दीं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में सीएम ने विभिन्न सेवाओं, योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण—शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने 1.5 लाख जनसेवा केंद्रों के माध्यम से आमजन तक 45 से अधिक परिवहन सेवाएं पहुंचाने की सुविधा का शुभारंभ किया, सरल परिवहन हेल्पलाइन 149 लॉन्च की, 400 नई बसों को हरी झंडी दिखाई तथा महिला परिचालकों व विभिन्न निवेशकों को नियुक्ति—पत्र व प्रमाणपत्र वितरित किए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पीपीपी मॉडल पर विकसित किए जाने वाले सात आधुनिक बस स्टेशनों के शिलान्यास सहित जूपिटर ऑडिटोरियम के नवीनीकरण—उच्चीकरण कार्य का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरल परिवहन हेल्पलाइन 149 का शुभारंभ किया। सीएम ने डिजिटल बस ट्रैकिंग (मार्गदर्शी) ऐप का शुभारंभ किया। साथ ही इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट की नई बुकलेट का भी शुभारंभ किया।

चीन में तूफान तकाह का रौद्र रूप: फ्लाइटें रद्द, स्कूल बंद, समंदर से निकाले गए हजारों लोग

ग्वांगझोउ , इस साल का 16वां तूफान तपाह सोमवार सुबह दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में पहुंच गया। इसको देखते हुए स्कूलों को बंद कर दिया गया और हजारों निवासियों को तूफान से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। ग्वांगडोंग की मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, 30 मीटर प्रति सेकंड की अधिकतम गति वाली हवाओं के साथ तूफान सुबह लगभग 8:50 बजे जियांगमेन शहर के एक काउंटी–स्तरीय शहर ताइशान में तट पर पहुंचा।

ताइशान के 182 स्कूलों और किंडरगार्टन में लगभग 1,20,000 छात्रों की कक्षाएं स्थगित कर दी गईं, जबकि जियांगमेन में 41,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाया गया। जियांगमेन के मेरीटाइम ब्यूरो ने कहा कि उसने संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए 43 स्वयंसेवी समुद्री बचाव दल और 30 जहाज पहले ही तैनात कर दिए। ताइशान में 3,300 से ज्यादा आपातकालीन कर्मी तैयार हैं।

पड़ोसी यांगजियांग शहर में अधिकारियों ने सोमवार को स्थानीय निवासियों के लिए आपातकालीन आश्रय स्थल खोल दिए। तूफान से प्रभावित ग्वांगडोंग के कुछ हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मौसम विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि तपाह लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और धीरे–धीरे कमजोर होता जाएगा। इससे पहले, हांगकांग वेधशाला ने तूफान तपाह के कारण रविवार शाम को सबसे पहले नंबर 8 का संकेत जारी किया था, जो हांगकांग की पांचस्तरीय तूफान चेतावनी प्रणाली के तहत तीसरा सबसे बड़ा अलर्ट है। हांगकांग हवाई अड्डा प्राधिकरण ने सोमवार को लगभग 100 उड़ानें रद्द होने की आशंका है।

सम्पादकीय

शिशु मृत्यु दर में गिरावट

उत्तराखंड में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक अच्छी खबर आई है जिसमें प्रसव के दौरान नवजात की मृत्यु होने के मामलों में कमी देखने को मिली है। प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों और अन्य चुनौतियों के बावजूद भी प्रदेश में नवजात मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में आई उल्लेखनीय गिरावट राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक सुखद आंकड़ा है। स्वास्थ्य विभाग के उन सभी कर्मठ लोगों की पहल पर प्रदेशभर में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिला और आशाओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, जो दिन रात अपनी ड्यूटी को निभाते रहे। भारत सरकार के महापंजीयक की ओर से जारी किये गये वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में नवजात मृत्यु दर 15 प्रति हजार जीवित जन्म, शिशु मृत्यु दर 21 प्रति हजार जीवित जन्म तथा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 25 प्रति हजार जीवित जन्म है। जो पिछले वर्षों की तुलना में भारी कमी दर्शाते हैं। यह सुधार राज्य के मजबूत स्वास्थ्य ढांचे और स्वास्थ्य विभाग की धरातल पर की गई पहलों का प्रत्यक्ष प्रणाम है। उत्तराखंड के स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा प्रदेशभर में संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित किया गया और गर्भवती महिलाओं के शतप्रतिशत टीकाकरण एवं समुचित देखभाल हेतु आशाओं के माध्यम से विशेष अभियान चलाये गये, जिसके अपेक्षित परिणाम तो मिले ही, साथ ही खुशियों की सवारी योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ भी गर्भवती महिलाओं को पहुंचाया गया जिस कारण शिशु मृत्यु दर में गिरावट देखने को मिली। गर्भवती महिलाओं की सुविधाओं को लेकर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करते हुए प्रदेशभर में नवजात की देखभाल के लिये चिकित्सा इकाईयों में सुविधाओं का भी दायरा बढ़ाया गया। राज्य के अस्पतालों में 4 नवजात आई.सी.यू. स्थापित किये गये, 9 स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट, 34 न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट, 289 नवजात शिशु देखभाल कार्नर तथा 47 कंगारू मदर केयर यूनिट संचालित की जा रही है। जबकि वर्ष 2024—25 में जिला चिकित्सालय देहरादून व रूद्रप्रयाग में न्यू बोर्न केयर यूनिट क्रियाशील किये गये। जिसके चलते वित्तीय वर्ष 2024—2025 में नवजात आईसीयू, स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में कुल 4,643 नवजातों का सफल उपचार किया गया। उत्तराखंड के स्वास्थ्य विभाग पर हालांकि व्यवस्था को लेकर सवाल भी खड़े होते आए हैं जिनमें कई ऐसे प्रकरण सामने भी आए जिनमें स्वास्थ्य सुविधाएं न मिलने के कारण प्रसूति महिलाओं की मृत्यु हो गई तो कहीं सुदरवर्ती क्षेत्र में प्रसव के लिए अस्पतालों में व्यवस्था ही उपलब्ध नहीं थी। बावजूद इसके मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी होना एक सराहनीय कदम है और राज्य सरकार को भविष्य में सुदूरवर्ती विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले स्थान पर भी प्रसव संबंधी हाईटेक सुविधा उपलब्ध करने के प्रयास करने चाहिए।

भारत नियति के द्वार पर खड़ा

आज़ादी के समय नेहरू ने नियति से साक्षात्कार की बात की थी — एक उपनिवेश से आगे बढ़ने का साहस। इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण से लेकर पोखरण तक भारत की ताक़त दिखाई। नरसिंहाराव ने 1991 में बंद अर्थव्यवस्था की दीवार तोड़ी और उदारीकरण की नींव रखी। मनमोहन सिंह ने शांति से न्यूक्लियर डील, स्थिर विकास और वैश्विक बाज़ार में भारत की स्थिति को मज़बूत किया। हर दौर अपूर्ण था, पर आकांक्षा जीवित थी। यह भावना केवल सत्ता गलियारों में नहीं, बल्कि भारत के मध्यमवर्ग की कल्पना में भी थी। फिर आए नरेंद्र मोदी, जिन्होंने आकांक्षा को तमाशे और नारों में लपेट दिया। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल — नियति की भाषा को नए ज़माने के लिए पैक किया। कुछ समय के लिए लगा कि अब इन वेटिंग ख़त्म होगा, भारत महाशक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होगा। यह स्वप्न स्वर्णिम लगा।

श्रुति व्यास

लंदन के द इकॉनोमिस्ट ने ठिक लिखा कि यदि अमेरिका भारत को अलग–थलग करता है, तो यह उसकी ऐतिहासिक भूल होगी। जबकि भारत के लिए अपनी सुपरपावर बनने की दावेदारी को परखने का यह मौका है। पहली नज़र में वाक्य सुकून देता है – जैसे अमेरिका ग़लती करेगा अगर डगमगाया, और भारत नियति के द्वार पर खड़ा है। पर ध्यान से सुनें तो यह तारीफ़ नहीं, टालमटोल है। सुपरपावर–इन–वेटिंग यानी अभी नहीं। याकि महज नारे जिनमें जान नहीं, प्रदर्शन जिसमें ताक़त नहीं। एंकर की तरह तीन शब्द हमें बाँध देते हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने ही भविष्य की कतार में फँसा है, हिचकिचाहट में अटका है। इतिहास में दर्ज होता है, ताक़त के रूप में नहीं, बल्कि फुटनोट की तरहः इन वेटिंग।

यह नहीं कि भारत कभी इंतज़ार में नहीं रहा। मोटामोटी हर प्रधानमंत्री ने ताकत और फुटनोट की खाई को पाटने की कोशिश अपने–अपने ढंग से की है– अपूर्ण रूप से, लेकिन एक निशान छोड़ते हुए। बस आज वह इन–वेटिंग इतना जाहिर, स्पष्ट, इतना चौड़ा हो गया है कि आकांक्षा और आस्था के बीच की दूरी लगभग असंभव लगती है।

आज़ादी के समय नेहरू ने नियति से साक्षात्कार की बात की थी – एक उपनिवेश से आगे बढ़ने का साहस। इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण से लेकर पोखरण तक भारत की ताक़त दिखाई। नरसिंहाराव ने 1991 में बंद अर्थव्यवस्था की दीवार तोड़ी और उदारीकरण की नींव रखी। मनमोहन सिंह ने शांति से न्यूक्लियर डील, स्थिर विकास और वैश्विक बाज़ार में भारत की स्थिति को मज़बूत किया। हर दौर अपूर्ण था, पर आकांक्षा जीवित थी। यह भावना केवल सत्ता गलियारों में नहीं, बल्कि भारत के मध्यमवर्ग की कल्पना में भी थी।

फिर आए नरेंद्र मोदी, जिन्होंने आकांक्षा को तमाशे और नारों में लपेट दिया। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल – नियति की भाषा को नए ज़माने के लिए पैक किया। कुछ समय के लिए लगा कि अब इन वेटिंग ख़त्म होगा, भारत महाशक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होगा। यह स्वप्न स्वर्णिम लगा।

पर सपनों का रंग नहीं होता और न कोई विचारधारा। वे या तो साहसी होते हैं या हिचकिचाए हुए। रूस सोवियत अतीत को पुनर्जीवित करना चाहता है। चीन अपने ही साये से बड़ा होना चाहता है। उनकी आकांक्षा कठोर है, बलिदान से तराशी हुई। भारत की आकांक्षा भावुक है, नारों में ढह जाती है। हम खुद को यह कहकर सांत्वना देते हैं कि हमारी चढ़ाई लोकतांत्रिक होगी, इसलिए श्रेष्ठ होगी। पर बिना त्याग और साहस के, सपने रेटरिक में बदल जाते हैं।

पर आज का भारत क्या सपने देखना छोड़ नहीं चुका है?

अपने चारों ओर देखिए। आपका घर, गाड़ी, सड़क, दफ़्तर की मेज़, टिफ़िन का खाना, बैंक का मैसेज – यही है हमारी ज़िंदगी की लय। सुरक्षित, स्थिर, पूर्वानुमेय। यह आरामदायक है, लेकिन आकांक्षाएँ अब सुपरपावर बनने की ऊँचाई पर नहीं, बल्कि मध्यमवर्गीय सुरक्षा की छत पर अटकी हैं – नौकरी, ईएमआई, सालाना छुट्टी। 21वीं सदी में भी हम जीने को महत्वाकांक्षा समझते हैं, स्थिरता को नियति। इसी चुप्पी में छिपा है वह सच, कि भारत अब भी सुपरपावर इन वेटिंग है।

नई सदी ने ताक़त का नक्शा बदल दिया है। अब शक्ति का स्त्रोत न साम्राज्य है, न कच्चा माल, बल्कि मनुष्य की क्षमताएँ और उन्हें संभालने वाला ढाँचा। राष्ट्र नारों से नहीं, बल्कि इस बात से उठते हैं कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, शोध और सड़कों में कितना निवेश करते हैं। प्रतियोगिता अब भूगोल की नहीं, प्रतिभा की है।

इन वेटिंग की कहानी सिफ़ नीतिगत काग़ज़ों या जीडीपी आँकड़ों में नहीं, बल्कि ज़मीनी शहरों में दिखती है – और मुंबई से स्पष्ट कोई दूसरा शहर नहीं है। मगर यहाँ महत्वाकांक्षा और असमानता भयावह आमने–सामने खड़ी हैं। 1970झ80 के दशक में यह शहर हाजी मस्तान, करीम लाला, वरदराजन मुदलियार जैसे अंडरवर्ल्ड डॉनों का था। बाद में दाउद्ध ने अपराध में वैश्विक हल्लाबनाया। आज दौर बदला है। अब अंबानी और अदानी की तूती हैं। और इन्हें मोदी राज में राष्ट्रवाद की भाषा में आत्मनिर्भर भारत के महानायक कहा जा रहा है। जो उद्यमशीलता पहले गली–मोहल्ले से फलती–बढ़ती थी, वह अब राज्य की चुप्पी और नीति की कृपा से प्रतिमान बन रहे हैं।

पर जिस राष्ट्र में अरबपति मसीहा बनते हैं, वह धन को महत्ता से और इसी के गरूर में ग़लतफ़हमी में फंसता है। व्यापारी घरानों से औद्योगिकीकरण और उससे रोज़गार व वास्तविक आर्थिक शक्ति नहीं बनती। फिर शिक्षा खोखली और टूटी हुई है, बुनियादी ढाँचा कमज़ोर है। और जब संकट आता है तो सुधारों की जगह हिंदू राष्ट्रवाद की डुगडुगी बनती हैं। या सरकार नया आख्यान गढ़ती है। जैसे ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ़ से बाज़ार हिला, तो ईवाई की रिपोर्ट आई। जबरदस्ती बेवक्त का हल्ला कि 2038 तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। काग़ज़ पर वादा है – ताक़त, उपभोग, पूँजी। पर ज़मीन पर सवाल वही हैः क्या आर्थिकी का बड़ा आकार भीड़ में जी रहे आम भारतीय को गरिमा देगा?

जब तक असमानता के कैंसर से निजात नहीं है, मानव पूँजी नहीं बनेगी, ढाँचा नहीं सुधरेगी, भारत आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि विरोधाभासों में फंसा रहना है। अर्थव्यवस्था का आकार भले बढ़े पर समृद्धि के छोटे टापू रहेंगे। विकास की बातें और वंचना का सागर। हम फुटनोट ही बने रहेंगे और इन तीन शब्दों में कैद रहेंगे – सुपरपावर इन वेटिंग।

धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने स्पष्ट कहा है कि राम मंदिर एकमात्र ऐसा आंदोलन था, जिसका संघ ने समर्थन किया था और अब काशी और मथुरा सहित ऐसे किसी अन्य अभियान का समर्थन नहीं करेगा। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अपनी तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतिम दिन सवालों के जवाब में भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस के स्वयंसेवक ऐसे आंदोलनों में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं।हिन्दू समाज आग्रह करेगा तो संघ के स्वयंसेवक संस्कृति और समाज के हिसाब से इस प्रकार के किसी अभियान में शिरकत कर सकते हैं। यह व्याख्यान श्रृंखला आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी।

देश में रोजगार परिदृश्य, संस्कृत की विषय के रूप में अनिवार्यता, भारत की अखंडता, हिन्दू–मुस्लिम एकता, जाति–वर्ण व्यवस्था, जातिगत आरक्षण, भाषा विवाद, भाजपा अध्यक्ष के चयन में विलंब, एक तय आयु में संन्यास जैसे तमाम मुद्दों पर भी संघ प्रमुख ने अपनी बात कही।जहां तक काशी–मथुरा में धर्म स्थल का मसला है, तो यह मामला कोई नया नहीं है, लेकिन राम मंदिर आंदोलन के चलते इसे हिन्दुत्ववादियों ने थोड़े समय के लिए विराम दे रखा था। राममंदिर का निर्माण पूरा होते ही वे हरकत में आ गए। न केवल काशी–मथुरा, बल्कि सम्भल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के मुद्दे के साथ ही अन्य अनेक धर्मस्थलों को लेकर मामलों ने भी जोर पकड़ लिया। बीते साल 24 नवम्बर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क उठी थी।हिंसा मामले की जांच के लिए बने आयोग ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे दंगों के बाद तुष्टीकरण की राजनीति के चलते बड़े पैमाने पर आबादी में बदलाव, धर्म परिवर्तन और समुदाय विशेष के परिवारों का पलायन हुआ।बेशक, संघ प्रमुख पहले भी कह बार स्पष्ट कर चुके हैं कि हर जगह मंदिर नहीं ढूंढ़ा जाना चाहिए। लेकिन लगता नहीं कि धर्मस्थलों में मंदिर ढूंढे जाने की कवायद थम पाएगी। दरअसल, यह मसला बहुत पहले से धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक हो चुका है।मंदिर–मस्जिद–चर्च जैसे धर्मस्थलों के मुद्दे गरमाने लगते हैं, तो अलग माहौल बना देते हैं, जिसके बल पर पक्ष–विपक्ष को अपनी राजनीति को धार देने में सहूलियत होती है। इसलिए ऐसे मुद्दे गरमाए रहने हैं।

अवैध प्रवासियों की घुसपैठ

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने को लेकर सरकार द्वारा अपनाई गई मानव संचालन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मांगी। केंद्र से पूछा क्या वह अवैध प्रवासियों की घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर दीवार बनाना चाहता है। पीठ ने बंगाली व पंजाबीभाषी भारतीयों की पड़ोसी मुल्कों के साथ साझा सांस्कृतिक व भाषाई विरासत की भी चर्चा की। पीठ ने स्वीकारा कि पीड़ित संसाधनों की कमी के अभाव में शीर्ष अदालत पहुंचने में असमर्थ हैं। सरकार की तरफ से दी गई दलील में एजेंटों के अवैध प्रवेश करवाने की बात की गई और कहा गया कि वे हमारे संसाधनों को नष्ट न करें। इस पर अदालत ने कहा यह राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता व संसाधनों का सवाल है पर बंगाल व पंजाब की साझी विरासत पर केंद्र अपनी स्थिति स्पष्ट करे। बीते दिनों प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाए कि केंद्र द्वारा बंगाली भाषाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। बहस के दरम्यान केंद्र की तरफ से रोहिंग्याओं का जिक्रभी हुआ जिनके साथ आतंकवादियों के घुसपैठ का भी संदेह जताया गया। अवैध प्रवासियों के चोरी–छिपे पड़ोसी मुल्कों में प्रवेश को लेकर दुनिया भर की सरकारें त्रस्त हैं। देश भर के सत्रह राज्यों में घुसपैठियों के रहने की बात सरकार द्वारा स्वीकारी जाती है। पंजाबी या बंगाली बोलने वालों को भारतीयों के साथ घुलने–मिलने में दिक्कत भी नहीं आती। जाहिर है, इनमें से कुछ रोजगार व सुरक्षा की तलाश में घुसते हैं। मगर अराजकता फैलाने व आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की मंशा से गलत तरीकों से सीमा पार करने वालों की भी कमी नहीं है। बार–बार दोहराया जाता है कि अकेले दो करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों के देश में रहने की चर्चा होती रहती है जिनमें से तकरीबन आधे पश्चिम बंगाल में ही लुक–छिप कर रह रहे हैं।

काशः प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते

रोहित कौशिक

बारिश और बाढ़ के कारण भारत के कई राज्यों में भारी तबाही हुई है। एक तरफ नदियां उफान पर हैं, तो दूसरी तरफ पहाड़ टूट रहे हैं। महाराष्ट्र में पिछले कई दिनों से बारिश का कहर जारी है।

मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ के कारण जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। देश के अनेक हिस्सों में बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है। राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश के कारण स्थिति खराब हो गई है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी कई जगहों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से पार पहुंचने के कारण हालात खराब हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से भूस्खलन होने के कारण कई सड़कें बंद हैं। त्रिपुरा में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और नगालैंड में भी यही हाल हैं।भारी बारिश की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं। विकास परियोजनाओं के लिए जिस तरह जंगलों को नष्ट किया गया, उसने स्थिति को और भयावह बना दिया है। इसके कारण मानसून तो प्रभावित हुआ ही, भू–क्षरण एवं नदियों द्वारा कटाव किए जाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी। बाढ़–सूखा जमाने से जीवन को परेशानी में डालते रहे हैं। बाढ़–सूखा प्राकृतिक आपदाएं भर नहीं हैं, बल्कि प्रकृति की चेतावनियां भी हैं। सवाल है कि क्या हम पढ़–लिख लेने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते हैं। विडम्बना ही है कि पहले से अधिक पढ़े–लिखे समाज में प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठा कर जीवन जीने की समझदारी अभी भी विकसित नहीं हो पाई है।

बाढ़–सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं पहले भी आती थीं लेकिन उनका अपना अलग शास्त्र और तंत्र था। इस दौर में मौसम विभाग की भविष्यवाणियों के बावजूद हम बाढ़ का पूर्वानुमान नहीं लगा पाते। दरअसल, प्रकृति के साथ जिस तरह का व्यवहार हम कर रहे हैं, उसी तरह का व्यवहार प्रकृति भी हमारे साथ कर रही है। पिछले कुछ समय से भारत को जिस तरह सूखे–बाढ़ का सामना करना पड़ा है, वह आईपीसीसी की जलवायु परिवर्तन पर आधारित उस रिपोर्ट का ध्यान दिलाता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़–सूखे जैसी आपदाओं की चेतावनी दी गई थी।

आज ग्लोबल वार्मिग जैसा शब्द इतना प्रचलित हो गया है कि इस मुद्दे पर हम बनी–बनाई लीक पर ही चलना चाहते हैं। यही कारण है कि कभी हम आईपीसीसी की रिपोर्ट को संदेह की नजर से देखने लगते हैं, तो कभी ग्लोबल वार्मिग को अनावश्यक हौव्वा मानने लगते हैं। विडंबना ही है कि हम इस मुद्दे पर बार–बार सच से मुंह मोड़ना चाहते हैं। दरअसल, प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा जलवायु परिवर्तन के किस रूप में हमारे सामने होगा, यह नहीं कहा जा सकता। जलवायु परिवर्तन का एक ही जगह पर अलग–अलग असर हो सकता है। यही कारण है कि हम बार–बार बाढ़–सूखे का ऐसा पूर्वानुमान नहीं लगा पाते जिससे लोगों की जान–माल की समय रहते पर्याप्त सुरक्षा हो सके।

शहरों और कस्बों में होने वाले जल–भराव के लिए काफी हद तक हम भी जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षो में कस्बों और शहरों में जो विकास और विस्तार हुआ है, उसमें पानी की समुचित निकासी की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। गंदे नालों की पर्याप्त सफाई न होने से उनकी पानी बहा कर ले जाने की क्षमता लगातार कम हो रही है। यही कारण है कि अधिकतर कस्बों और शहरों में थोड़ी बारिश होने पर ही सड़कों पानी भर जाता है। गौरतलब है कि 1950 में हमारे यहां लगभग ढाई करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी थी जहां पर बाढ़ आती थी लेकिन अब लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी है, जिस पर बाढ़ आती है। हमारे देश में केवल चार महीनों के भीतर ही लगभग अस्सी फीसद पानी गिरता है। उसका वितरण इतना असमान है कि कुछ इलाके बाढ़ और बाकी इलाके सूखा झेलने को अभिशप्त हैं।ऐसी भौगोलिक असमानताएं हमें बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती हैं। पानी का सवाल जैविक आवश्यकता से भी जुड़ा है। हमें यह सोचना होगा कि बाढ़ के पानी का सदुपयोग कैसे किया जाए। बाढ़ के संबंध में विशेषज्ञ चेतावनी देते रहते हैं कि भविष्य में बाढ़ की प्रवृत्ति और प्रकृति लगातार बदलती रहेगी। इसलिए हमें एक तरफ अपने आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय बनाना होगा तो दूसरी तरफ अपने पारंपरिक जल स्त्रेतों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

डू यू वाना पार्टनर का दिल छू लेने वाला गाना उड़ जावन रिलीज

प्राइम वीडियो ने अपने नए और क्रिस्पी सीरीज डू यू वाना पार्टनर के ग्रैंड प्रीमियर से पहले, दिल छू लेने वाले सोलफुल ट्रैक उड़ जावन को रिलीज कर दिया है। इस गाने को जसलीन रायल ने अपनी खूबसूरत आवाज दी है, जबकि रोनित विंटा ने इसे कंपोज किया है और प्रिय सरैया ने इसके बोल लिखे हैं। यह गाना दिल को छू लेने वाली धुनों और गहराई से लिखे गए बोलों से सजा है। कहना होगा कि यह गाना आजादी पाने, सपनों का पीछा करने और जीवन में आने वाले उतारचढ़ाव को अपनाना के एहसास को खूबसूरती से खुद में लिए हुए है। जिस तरह से डू यू वाा पार्टनर दोस्ती, महत्वाकांक्षा और अपने लिए एक राह बनाने की कहानी है, उसी तरह यह गाना भी इस सीरीज में एक म्यूजिकल लेयर जोड़ता है, जो तमााह और डायना के संघर्षों और बड़ी उम्मीदों को दिखाता है। डू यू वाना पार्टनर एक क्रिस्पी, नए जमाने का कामेडी–ड्रामा है, जो दो जिंदादिल बेस्ट फ्रेंड्स शिखा और अनाहिता (तमाा भाटिया और डायना पेंटी) की कहानी दिखाता है। ये दोनों अपना खुद का ऐल्कोहाल स्टार्ट–अप लान्च करने के एक हिम्मती मिशन पर निकलती हैं। सीरीज में शहर के अर्बन लाइफ़ की रंगीन हलचल के बीच उनके सफर को खूबसूरती से पेश किया गया है, जिसमें वो पुरुषों द्वारा चलाई जा रही क्राफ्ट बीयर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश करती हैं। जब ये दोनों दोस्त नियमों को तोड़ती हैं, नियमों को मोड़ती हैं, अजीबोगरीब हालात से निकलती हैं और अपने स्टाइल, हिम्मत और ढेर सारे जुगाड़ के साथ अपनी किस्मत बनाती हैं, तब डू यू वाा पार्टनर महिलाओं की महत्वाकांक्षा और ताकत का एक सच्चा और दिल को छू लेने वाले तस्वीर पेश करता है।

दिव्या देशमुख ने दिलचस्प मुकाबले में अमीन बासेम को हराया

नई दिल्ली, फिडे ग्रैंड स्विस का चौथा राउंड भारतीय नजरिए से दिलचस्प रहा क्योंकि दिव्या देशमुख ने एक शानदार उलटफेर किया जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने चौथे राउंड के मुकाबलों में अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ ड्रॉ खेला. दिव्या ने मिस्र के ग्रैंडमास्टर अमीन बासेम को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की. दिव्या बासेम को हराने में सफल रहीं, जो फिडे रेटिंग में भारतीय खिलाड़ी से 666 स्थान ऊपर हैं. दिव्या ने काले मोहरों से अपनी प्रतिद्वंद्वी को एक ऐसे मुकाबले में मात दी जिसमें लगातार उतार–चढ़ाव देखने को मिले. शुरुआती चालों के बाद भारतीय खिलाड़ी मुश्किल स्थिति में आ गईं लेकिन उन्होंने संघर्ष जारी रखा. आखिरकार, उन्होंने सफेद मोहरों को शह और मात देने के लिए एक रणनीतिक संयोजन बनाया और 48 चालों में खेल को अपने नाम कर प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की. फिडे क्लासिकल रेटिंग में पांचवें स्थान पर रहे अर्जुन एरिगैसी और छठे स्थान पर रहे डी. गुकेश के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला दोनों के अंक बांटने के साथ समाप्त हुआ. अर्जुन काले मोहरों से खेल रहे थे ।

एशिया कप हॉकी में तीसरे स्थान की जंग में मलेशिया से हारा चीन

नालंदा,राजगीर में आयोजित हीरो एशिया कप (मेंस) 2025 हॉकी टूर्नामेंट का समापन रोमांच और जोश से हुआ. आखिरी दिन पॉइंट टेबल तय करने के लिए दो मुकाबले खेले गए जिनमें जापान और मलेशिया ने शानदार जीत दर्ज की.

दिन का पहला मुकाबला जापान और बांग्लादेश के बीच हुआ. जापान ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 6–1 से बड़ी जीत हासिल की और टूर्नामेंट में पांचवां स्थान पक्का कर लिया. जापान की ओर से रयोसुके शिनोहर मैच के हीरो रहे. उन्होंने 15वें, 38वें और 56वें मिनट में दो पेनाल्टी कॉर्नर और एक फील्ड गोल दागा. इसके अलावा कोजी यमस्की ने 9वें मिनट में गोल किया जबकि नागायोशी केन और तनाका सेरेन ने भी स्कोर शीट में अपना नाम दर्ज कराया.

दूसरे मुकाबले में मलेशिया और चीन आमने–सामने थे. तीसरे स्थान की जंग में मलेशिया ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 4–1 से जीत दर्ज की.

मलेशिया की जीत में अखिमुल्लाह अनुर का योगदान अहम रहा. उन्होंने 36वें और 50वें मिनट पर लगातार गोल कर टीम को मजबूती दी. कप्तान सईद चोलन ने 59वें मिनट में निर्णायक पेनाल्टी कॉर्नर गोल दागकर जीत सुनिश्चित की. चीन की ओर से जिइशेंग गाओ ने 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला लेकिन बाकी मौकों को भुनाने में नाकाम रहे.

कैलाश खेर और दिव्या खोसला ने बिखेरा जादूज् एक चतुर नार का टाइटल ट्रैक हुआ रिलीज़

कामेडी थ्रिलर एक चतुर नार के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच खासा धूम मचाने के बाद, फिल्म के टाइटल ट्रैक ने उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। शरण रावत और वायु द्वारा रचित, यह थिरकाने वाला फिल्मी ट्रैक आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और यह पूरी तरह से जीवंत है। दिग्गज कैलाश खेर की दमदार आवाज़ और वायु के चंचल बोलों से सजे इस गाने में ऊर्जा और अपनापन दोनों का समावेश है, जो इसी नाम के एक क्लासिक गाने का एक नया रूप देता है।

इस जीवंत संगीत वीडियो में, दिव्या खोसला अपनी बेजोड़ ऊर्जा और अंदाज़ से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। अपने विद्युतीय नृत्य से लेकर अपने अद्भुत ढोल बजाने वाले अवतार तक, दिव्या का उन्मुक्त अभिनय इस गाने में एक ज़बरदस्त आकर्षण जोड़ता है। सहज, बोल्ड और बेबाक स्टाइलिश, वह पूरी तरह से स्वैगर दिखाती हैं, जिससे यह गाना न केवल एक राग बन जाता है, बल्कि सभी चतुर महिलाओं की लय और व्यवहार का उत्सव बन जाता है।

तेजा सज्जा स्टारर मिराई से श्रिया सरन का लुक आया सामने

दक्षिण भारतीय फिल्मों की मशहूर अदाकारा श्रिया सरन फिल्म मिराय में एक दमदार किरदार में नजर आने वाली है। मेकर्स ने उनका लुक सोशल मीडिया पर साझा किया है। श्रिया ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज फिल्म मिराय का पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह अलग ही अंदाज में नजर आ रही हैं।

श्रिया सरन फिल्म मिराय में अंबिका के किरदार में नजर आएंगी। इस पोस्टर को साझा करने के साथ मेकर्स ने लिखा है, हर सुपर हीरो की जर्नी के पीछे एक मां की ताकत छिपी होती है। इस लाइन से लगता है कि श्रिया फिल्म में मां के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म मिराय एक सुपर हीरो, वारियर की कहानी है।

कालीस अल्काराज ने जैनिक सिनर को हराकर जीता खिताब, बने दुनिया के नंबर 1 प्लेयर

—यूएस ओपन 2025

नई दिल्ली,यूएस ओपन 2025 मेंस सिंग्लस के फाइनल में कालीस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक और पिछले साल के चैंपियन जैनिक सिनर को हराकर तीन साल बाद फिर से यूएस ओपन का खिताब जीत लिया है. साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में जीत के साथ इस स्पेनिश खिलाड़ी ने दो साल बाद (एटीपी) रैंकिंग में भी नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है. 21 वर्षीय अल्काराज ने बीती रात अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम जीता और ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए. अल्काराज और सिनर के मैच का नतीजा 6–2, 3–6, 6–1, 6–4 रहा. अल्काराज ने एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर साल का अपना दूसरा मेजर खिताब जीतने में सिर्फ़ दो घंटे 42 मिनट का समय लिया. इससे पहले उन्होंने इसी साल फ्रेंच ओपन में सिनर को हराकर खिताब जीता था.विंबलडन फाइनल में सिनर से हारने के बावजूद सिनसिनाटी जीतकर यूएस ओपन में प्रवेश करने वाले अल्काराज शुरू से ही अजेय रहे.अगर वे फाइनल में एक भी सेट गंवाए बिना खिताब जीत जाते, तो इतिहास रच देते.लेकिन ऐसा ज्यादा देर तक नहीं हुआ.पहले सेट में स्पेनिश खिलाड़ी ने अपने इतालवी प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ दी.उन्होंने एक खतरनाक सर्विस और दमदार बैकहैंड से सिनार को पीछे छोड़ दिया.अल्काराज ने 11 विनर लगाकर पहला सेट 6–2 से अपने नाम कर लिया. एक के बाद एक अनफोर्स्ड एरर के कारण पहला सेट हारने वाले सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की. 24 वर्षीय इतालवी स्टार ने क्रॉस–कोर्ट प्ले में कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ते हुए अल्काराज को व्यस्त रखा. दूसरे सेट में उन्होंने एक दमदार रिटर्न से अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस तोड़ दी और दूसरा सेट 6–3 से जीतकर फाइनल में जान फूंक दी. इसके बाद अल्काराज़ ने समय के साथ दिखाया कि मैच पर उनका नियंत्रण बना हुआ है. इसके बाद उन्होंने लगातार दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया.

संक्षिप्त समाचार

मां चामुंडा देवी की दिवारा यात्रा पहुंची त्रियुगीनारायण

रुद्रप्रयाग : कालीमठ घाटी के सीमांत गांवों की आराध्य देवी भगवती चामुण्डा की दिवारा यात्रा 15 वर्षों बाद सोमवार को शिव-पार्वती विवाह स्थल त्रियुगीनारायण पहुंची। इस मौके पर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। देवी के पहुंचते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। दिवारा यात्रा के शुभारंभ पर सीतापुर में आचार्य अमित देवशाली, राजेन्द्र प्रसाद देवशाली, राहुल देवशाली, हिमांशु भट्ट और पुरुषोत्तम भट्ट द्वारा ब्रह्मबेला में पंचांग पूजन, हवन और आरती का आयोजन किया गया। जबकि इसे बाद सुबह 10 बजे यात्रा अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई। गौरामाई मंदिर गौरीकुंड में रात्रि प्रवास किया जाएगा। यात्रा मार्ग में देवी चामुण्डा ग्रामीणों के कुशलक्षेम की जानकारी ले रही हैं, और उन्हें आशीर्वाद प्रदान कर रही हैं। गांव-गांव में पूजा-अर्चना और मनौतियों के साथ लोग क्षेत्र की खुशहाली और विश्व कल्याण की कामना कर रहे हैं। यात्रा समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सत्कारी ने बताया कि बुधवार को यात्रा बेस कैंप पहुंचेगी और गुरुवार को केदारनाथ धाम में तीर्थ स्नान व दर्शन के बाद यात्रा की वापसी होगी। इस मौके पर संरक्षक कृपाल सिंह राणा, त्रिलोक सिंह रावत, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह तिन्दोरी, सचिव कीरथ सिंह राणा, कोषाध्यक्ष योगम्बर सिंह रावत सहित समिति के कई सदस्य व त्रियुगीनारायण और सीतापुर के सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे। (एजेंसी)

विजयनगर तैला मोटर मार्ग पर बनें गड्ढों को भरने की उठाई मांग

रुद्रप्रयाग : जखोली में पीएमजीएसवाई के अधीन विजयनगर तैला मोटर मार्ग पर स्थानीय लोगों ने जगह-जगह बने गड्ढे व नालियों पर गिरे मलबे को हटाने की मांग की है। प्रधान थाती बड़मा व जीएमवीएन के पूर्व निदेशक मनोज रौथाण ने पीएजीएसवाई जखोली के अधिशासी अभियंता पवन कुमार को दिये ज्ञापन में कहा है कि स्थानीय लोग वर्ष 2023 से लगातार विभाग से जानलेवा गड्ढे को भरवाने के लिए निवेदन करते आ रहे हैं, लेकिन विगत तीन वर्षों से अभी तक कोई कारवाई नहीं की गई है। उन्होंने ज्ञापन में कहा है कि विगत फरवरी 2025 को जखोली विकासखंड के अन्तर्गत गाम पंचायत थाती बड़मा में विकास कार्यों के निरीक्षण/समीक्षा के दौरान अपर सचिव उत्तराखंड शासन द्वारा भी उक्त मोटर मार्ग पर बने गड्ढे भरने व नालियों को साफ करने के आदेश विभागीय अधिकारियों को दिए थे। परन्तु इसके बावजूद भी अभी तक कोई कारवाई नहीं की गयी है। प्रधान ग्राम पंचायत थाती विपिन सिंह व पूर्व जीएमवीएन निदेशक मनोज रौथाण ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उक्त मोटर मार्ग को 25 सितम्बर 2025 तक गड्ढा मुक्त व मलवे से दबी हुई नालियों की मरम्मत का कार्य नहीं की जाती है, तो समस्त क्षेत्रवासी पीएमजीएसवाई जखोली कार्यालय पर धरना प्रदरशन करने को बाध्य होंगे, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी विभाग की होगी। (एजेंसी)

धनपुर के कई गांवों में भालू का आतंक, रतजगा करने को मजबूर ग्रामीण

रुद्रप्रयाग : धनपुर पट्टी के कई गांवों में इन दिनों भालू का आतंक है। लोग डर के कारण घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। वीरों गांव में भालू गोशालाएं तोड़ कर मवेशियों पर हमले कर रहा है। जबकि मुख्यालय स्थित पुनाड़ में भालू घरों के आगे गुजरता दिखाई दे रहा है जिससे लोगों में दहशत है। कभी ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वाले जानवर अब गांव और शहरी इलाकों में आने लगे हैं। बीते कई दिनों से लोग भालू क आतंक से दहशत में है। वीरों निवासी सामाजिक कार्यकर्ता सैन सिंह राणा, दिनेश सिंह, प्रहलाद सिंह आदि ने बताया कि गांव में भालू हमलावर हो रहा है। बीती रात भालू ने ग्रामीण भगत सिंह की गोशाला तोड़ी और वहां बंधे मवेशियों पर हमला किया। वहीं शाम होते ही कई बार भालू गांव में धमक रहा है जिससे लोग डरे हैं। उन्होंने वन विभाग से शीघ्र सुरक्षा की मांग की है। वहीं मुख्यालय से लगे पुनाड़ क्षेत्र में भालू कई बार लोगों के घरों से गुजर रहा है। लोग शोर-शराबा और पटाखे फोड़कर भालू भगा रहे हैं। वन विभाग की टीम भी ग्रामीणों के साथ गश्त कर रही है। स्थानीय निवासी दुर्गा नौटियाल, चक्रधर सेमवाल, राकेश नौटियाल, शैलेंद्र भारती, पूर्व पालिकाध्यक्ष रेखा सेमवाल, पांडव नृत्य एवं शिव समिति के अध्यक्ष प्रकाश भारती, आशीष नौटियाल आदि ने वन विभाग से शीघ्र भालू को गांव में प्रवेश करने से पहले ठोस कार्यवाही की मांग की है, ताकि उसकी क्षेत्र में आने की आदत टूट सके।

शिक्षा ही विकास का सबसे बड़ा आधार

डिजिटल और कार्यात्मक साक्षरता को बढ़ावा देने पर जोर दिया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जनता इण्टर कॉलेज सुरखेत में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर आयोजित गोष्ठी में डिजिटल और कार्यात्मक साक्षरता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा को समावेशी और कौशल आधारित बनाने के साथ ही आज के डिजिटल युग में कार्यात्मक साक्षरता को बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयास करने की आवश्यकता है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं एन.एस.एस. के गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा ही विकास का सबसे बड़ा आधार है।

दुनियाभर में साक्षरता का स्तर बढ़ाने के लिए यूनेस्को द्वारा 1967 से प्रत्येक वर्ष 08 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का मुख्य विषय (थीम) ह्लडिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देनाह्ल निर्धारित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य डिजिटल साक्षरता के स्तर में सुधार और अभिवृद्धि करके राष्ट्र को विकसित करके समृद्ध बनाना है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सर्वेक्षण और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में भारत की कुल साक्षरता 80 प्रतिशत से अधिक है। देश में चलाए जा रहे शिक्षा का अधिकार अधिनियम, सर्व शिक्षा अभियान, समग्र शिक्षा, डिजिटल इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, निपुण भारत जैसे कार्यक्रमों का साक्षरता दर बढ़ाने में विशेष योगदान रहा है। गोष्ठी में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों के साथ ही छात्र संसद के प्रधान नायक विश्वजीत सिंह, खेल सचिव गौरव चौहान, अनुशासन सचिव अरविंद सिंह नेगी, स्वच्छता सचिव रितेश सिंह, सांस्कृतिक सचिव चांदनी व अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. शर्मा मेरठ में सम्मानित, महविद्यालय में हर्ष की लहर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी में वाणिज्य संकाय में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. अनुराग शर्मा को उच्च शिक्षा में वाणिज विषय में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बेस्ट टीचर ऑफ द ईयर 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं डा. शर्मा के सम्मानित होने पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष की लहर है। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ में आयोजित कार्यक्रम में सोशल डेवलपमेंट फेडरेशन आगरा द्वारा डॉ. अनुराग शर्मा को बेस्ट टीचर ऑफ द ईयर 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया। प्राध्यापक डा. भोलेनाथ ने बताया कि डॉ. अनुराग शर्मा को वाणिज विषय में उत्कृष्ट कार्य करने, पुस्तक लेखन, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र लेखन तथा विभिन्न सेमिनार में प्रतिभाग करने हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया। सोशल डेवलपमेंट फेडरेशन शिक्षा के प्रचार-प्रसार, पुस्तक प्रकाशन, सेमिनार, गोष्ठी तथा सामाजिक उत्थान एवं विकास के कार्यों को संपादित करवाती है। बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने वाले देश के चयनित शिक्षाविद् को सम्मानित करने का कार्य भी फेडरेशन द्वारा किया जाता है।

महिलाओं ने पूर्व कैबिनेट मंत्री को बताई समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के विभिन्न वार्डों की महिलाओं ने पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी से मुलाकात कर राशन कार्ड सत्यापन सहित अन्य कार्यों में आ रही समस्याओं के बारे में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी को बताया। पूर्व मंत्री ने समस्याओं के निराकरण का आवश्वान देते हुए कहा कि वे डीएसओ पौड़ी से तत्काल बातचीत कर राशन कार्ड सत्यापन प्रक्रिया को सरल बनाने की पहल करेंगे, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों से निजात मिल सके। रविवार देर सांय निगम के पदमपुर, शिवपुर, काशीरामपुर व कौड़िया सहित अन्य वार्डों की महिलाएं पूर्व कैबिनेट मंत्री के आवास पर पहुंची। महिलाओं ने राशन कार्ड सत्यापन प्रक्रिया में हो रही परेशानी, पेयजल लाइन बिछाने के कारण सड़कों का टूटना व गड्ढों में बदल जाना तथा बंदरों के आतंक से हो रही परेशानी के बारे में पूर्व मंत्री को बताया। कहा कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा राशन कार्ड सत्यापन प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया गया है कि आमजन को बार-बार तहसील, सप्लाई ऑफिस व पटवारी कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। वहीं नई पेयजल लाइन बिछाने के काम के दौरान सड़कों को पूरी तरह से तोड़ दिया गया है, जिससे सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। जिस कारण वाहन चालकों व पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बंदरों के आतंक से महिलाएं व बच्चे भी भयभीत हैं, क्योंकि बंदर घर में घुसकर लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस पर पूर्व कैबिनेट मंत्री ने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि वे इन समस्याओं के समाधान हेतु हर संभव प्रयास करेंगे। इस मौके पर ललिता कंडवाल, सीमा भट्ट, सीमा चौहान, कविता देवी, मालती देवी, सरिता कंडवाल, नीलम थापा, रचना देवी, ललिता देवी, कादंबरी देवी, सोनिया देवी, रजनी देवी, प्रियंका देवी, रश्मि देवी, सीता देवी, सविता देवी, पूजा भंडारी देवी, कंचन भंडारी देवी, सविता देवी आदि महिलाएं मौजूद थी।

नेत्रदान के प्रति तेजी से दूर हो रही भ्रांतियां : डॉ. विनय

567 लोगों ने लिया नेत्रदान का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग व जिला अंधता निवारण समिति पौड़ी की पहल पर 40वां नेत्रदान पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान जिलेभर में 567 से अधिक लोगों ने नेत्रदान का संकल्प लेकर नेत्रदान के लिए आवेदन किया है। इस दौरान आयोति भाषण प्रतियोगिता में राजकीय नर्सिंग कालेज डोभ-श्रीकोट के निखिल नौटियाल और चित्रकला प्रतियोगिता में प्रियंका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सोमवार को नगर पालिका सभागार पौड़ी में आयोजित नेत्रदान पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष पौड़ी हिमानी नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि नेत्रदान महादान है। जिसको लेकर समाज में तेजी से जागरुकता बढ़ी है। इस मौके पर एसीएमओ व समिति के जिला कार्यक्रम प्रबंधक डा. विनय कुमार त्यागी ने कहा कि नेत्रदान के प्रति भ्रांतियां तेजी से दूर हो रही हैं। उन्होंने युवाओं को इसका अग्रदूत बताया। समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ नेत्रमीतिज्ञ नृपेश तिवाड़ी ने बताया कि नेत्रदान पखवाड़े में जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम हुए। यह 40वां पखवाड़ा है। बताया कि जिले में इस पखवाड़े में 567 लोगों ने नेत्रदान का संकल्प लेते हुए आवेदन किया है। इस दौरान आयोजित भाषण प्रतियोगिता में राजकीय नर्सिंग कालेज डोभ-श्रीकोट के निखिल नौटियाल ने पहला, पराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की साक्षी राणा ने दूसरा और एएनएम प्रशिक्षण संस्थान खिर्सू की शीतल राणा व पराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की तनिशिया ने संयुक्त रुप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

केदारनाथ में हवन के बाद विधिवत पूजा अर्चना शुरू

रुद्रप्रयाग : बीती सांय चन्द्रग्रहण के बाद केदारनाथ धाम में सोमवार ब्रह्ममुहुर्त में हवन यज्ञ और शुद्धिकरण के बाद विधिवत पूजा-अर्चना शुरू हो गई। सुबह से ही मंदिर में चहल-पहल रही और भक्त जय बाबा केदार के जयघोष के साथ मंदिर परिसर में प्रवेश करते रहे। मौसम भी बेहतर रहने के कारण यात्रियों में उत्साह दिखा। केदारनाथ धाम में अब यात्रा में तेजी आने लगी है। बरसाती मौसम कम होने के साथ ही यात्रियों की भी अच्छी खासी संख्या केदारनाथ धाम आने लगी है। सोमवार को सुबह से ही केदारनाथ मंदिर में भक्तों की लाइन लगी रही। हालांकि बदरी-केदार मंदिर समिति द्वारा चन्द्रग्रहण के चलते सुबह ब्रह्ममुहुर्त में मंदिर खोला गया जबकि साफ-सफाई एवं शुद्धिकरण करने के बाद हवन यज्ञ किया गया। इसके बाद विधिवत पुजारी द्वारा पूजा अर्चना की गई। निर्धारित समय पर भक्तों के लिए मंदिर दर्शनार्थ खोला गया। इसके बाद मंदिर में दर्शन करने वाले भक्तों की लाइन लगती रही। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विजय थपलियाल ने बताया कि चन्द्रग्रहण के शूतक के चलते मंदिर का शुद्धिकरण किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर छात्रों को बताएं अधिकार और कर्तव्य

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी की ओर से विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर एक बच्चा, एक किताब अभियान के तहत विद्यार्थियों को पुस्तकें भी वितरित की गयी ।शिविर की शुरुआत एजेंसी चौक से रामलीला मैदान तक रैली के आयोजन से हुई, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं ने न्याय और शिक्षा दोनों हमारे अधिकार जैसे नारों के माध्यम से आमजन को जागरुक किया। सिविल जज सीनियर डिवीजन/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती नाजिश कलीम ने शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को उनके मौलिक अधिकार और कर्तव्यों, बाल अधिकार, शिक्षा का महत्व तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत संविधान के अनुच्छेद 21(ए) की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, सरकारी योजनाओं और निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी भी दी। साथ ही बच्चों को डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा से जुड़े अहम बिंदुओं के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस. नेगी, असिस्टेंट लीगल डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार, रिटेनर अधिवक्ता कुसुम नेगी, जिला क्रीड़ा समन्वयक योगंबर सिंह सहित विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रधान संघ के दूसरी बार अध्यक्ष बनें पंकज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विकासखंड एकेश्वर में पंकज पोखरियाल लगातार दूसरी बार प्रधान संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए है। पंकज को 47 और महेंद्र डंडरियाल को 28 वोट मिले। पंकज ग्राम सभा सालकोट से लगातार दूसरी बार निर्विरोध प्रधान चुने गए थे। ब्लाक सभागार में हुई निर्वाचन प्रक्रिया में 75 मतदाताओं में से 47 ने पंकज पोखरियाल के पक्ष में मतदान किया, जबकि महेंद्र डंडरियाल को 28 मत प्राप्त हुए है। उन्होंने इसे बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए एक साथ मिलकर कार्य करने की बात कही है। इस मौके पर ग्राम प्रधान रैंसोली अनिल रावत, ग्राम प्रधान बंठोली मनोज नेगी, ग्राम प्रधान बौंसील श्रीमती मीनाक्षी देवी, ग्राम प्रधान गोर्ली श्रीमती पुष्पा देवी, पूर्व प्रधान विकास रावत, कोऑपरेटिव बैंक के जिला अध्यक्ष डायरेक्टर नरेंद्र नेगी, पूर्व प्रधान तेजपाल सिंह पंवार, सुरजीत, मनोज रावत आदि मौजूद रहे।

अभाविप के नगर अध्यक्ष बनें डॉ. सुरेंद्र मीणा

श्रीनगर गढ़वाल : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद श्रीनगर नगर एवं विश्वविद्यालय इकाई का सोमवार को निर्वाचन अधिकारी एवं अभाविप पौड़ी के जिला प्रमुख डॉ. राकेश नेगी ने नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। सत्र 2025-26 की नगर इकाई श्रीनगर में डॉ. सुरेंद्र मीणा को नगर अध्यक्ष व आयुष को नगर मंत्री बनाया गया। गढ़वाल विश्वविद्यालय इकाई के लिए विशाल सैनी को इकाई अध्यक्ष व अजय कुमार देवा को इकाई मंत्री बनाया गया। नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र मीणा व नगर मंत्री आयुष ने कहा कि एबीवीपी श्रीनगर इकाई के कार्यकर्ता छात्र व समाज के हितों के लिए सदैव कार्य करते रहेंगे। विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष विशाल सैनी व मंत्री अजय कुमार ने कहा कि एबीवीपी गढ़वाल विश्वविद्यालय में प्रवेश, परीक्षा और परिणाम की बेहतरी के लिए सदैव प्रयासरत है। अभाविप के जिला प्रमुख डॉ. राकेश नेगी ने नवीन कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से संगठन की कार्यपद्धति के आधार पर कार्य करते हुए छात्र और समाज हित का कार्य करने व संगठन विस्तार करने की अपील की। इस मौके पर विभाग संगठन मंत्री पौड़ी अभिषेक बर्त्वाल, केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्य संयोजक अमन पंत, जिला संयोजक सारांश बर्तवाल, गढ़वाल विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष जसवंत राणा, पीयूष नौटियाल, नगर विस्तारक नम्रता, रोशनी, एकता आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। (एजेंसी)

स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

चमोली : चमोली पुलिस ने बड़ी मात्रा में स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। स्मैक तस्करी के आरोपी का वाहन भी जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को चौकी गौचर प्रभारी सबइन्सपेक्टर मानवेंद्र सिंह गुसाईं के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सिदोली मोटर मार्ग पर संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग की।

प्राचार्य डॉ. रामअवतार सिंह ने संभाला कार्यभार

चमोली : पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में राजकीय महाविद्यालय चुडियाला से प्रोन्नत होकर आए प्राचार्य डॉ. रामअवतार सिंह ने सोमवार को कार्यभार संभाला। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती, प्रध्यापक डॉ. एमएस कंडारी, डॉ. आरसी भट्ट, डॉ. बीसीएस, डॉ. राधा रावत, डॉ. कविता पाठक, डॉ. एचसी रतूड़ी सहित छात्र अध्यक्ष प्रीतम सिंह, अंशुल रावत, यश खंडूड़ी सहित समस्त छात्रों ने भी प्राचार्य का पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। नवनियुक्त प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय में पठन-पाठन के लिए उचित माहौल बनाना एवं प्रत्येक छात्र-छात्रा को अनिवार्य रूप से अपनी कक्षाओं में 75 प्रतिशत उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। साथ महाविद्यालय की समस्याओं के समाधान सहित पुस्तकालय में पुस्तकें उपलब्ध कराना एवं सितंबर महीने में होने वाले छात्र संघ चुनाव को शांतिपूर्वक ढंग सम्पन्न कराने के लिए महाविद्यालय एवं छात्र-छात्राओं को सहयोग करने के लिए कहा। कहा कि सभी प्राध्यापक एंव कर्मचारी समयबद्ध ढंग से पारदर्शिता कार्य करें। उन्होंने समय से महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपने दायित्व का निर्वहन करने को कहा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे इकलौते पुत्र हरेन्द्र सिंह अधिकारी का विवाह लता अधिकारी के साथ वर्ष 2014 में हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार सम्पन्न हुआ था। मेरे पुत्र हरेन्द्र सिंह अधिकारी की मृत्यु वर्ष 2021 में कोरोना काल में हो गयी है। मेरी पुत्रवधु लता अधिकारी मेरे व मेरी पत्नी के साथ अभद्र व्यवहार करती है तथा हमारे कहने सुनने में नहीं है। मेरी पुत्रवधु लता अधिकारी दिनांक 05/04/2025 को घर छोड़कर चली गयी है तथा साथ में मेरे पौते शौर्य अधिकारी उम्र 12 वर्ष को भी ले गई है। मैं अपनी पुत्रवधु लता अधिकारी को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं तथा अब लता अधिकारी का मेरे व मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध एवं लेना-देना नहीं रह गया है। लता अधिकारी अपने किसी भी लेन-देन एवं हर प्रकार के कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार रहेगी।

किशन सिंह पुत्र स्व0 मदन सिंह
निवासी वार्ड नंबर-3 लालपानी पल्ली, पट्टी सनेह, पोस्ट ऑफिस कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1216/21)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलैक्टर प्रथम श्रेणी कोटद्वार गढ़वाल

राजस्व वाद सं0 18 सन् 2023
श्रीमती आरती खर्कवाल बनाम् उत्तराखण्ड सरकार आदि

समन बनाम्

बृजभूषण पुत्र स्व0 कुंवर सिंह, 2- प्रदीप पुत्र स्व0 कुंवर सिंह, 3- प्रमोद पुत्र स्व0 कुंवर सिंह समस्त निवासीगण ग्राम ध्रुवपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड। -प्रतिवादीगण

हरगाह वादी उपरोक्त ने मेरे न्यायालय में एक वाद अन्तर्गत धारा-229 बी0 उ0प्र0 ज0वि0अधि0 के अन्तर्गत पेश किया है। जिसमें आपकी उपस्थिति वांछनीय है।

अतः आपको हुक्म होता है कि आप दिनांक 29/10/2025 को बवक्त 10.00 बजे दिन मेरे न्यायालय असालतन या वकालतन न्यायालय उपस्थित होकर अपनी पैरवी करना सुनिश्चित करे अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के आज दिनांक 07/09/2025 को जारी किया गया।

आज्ञा से
न्यायालय असि0 कलेक्ट्रर प्रथम श्रेणी कोटद्वार गढ़वाल
(1217/11)

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या MC-15-ROH-MB-25 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 29.09.2025 को 15:00 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैबसाइट पर खोले जाएंगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगें। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं०	MC-15-ROH-MB-25
कार्य का नाम	"Repair of Wagons during Routine Overhauling at ROH Depot Moradabad for the period of two years".		
निविदा टाइप	खुली	बिडिंग स्टाइल	टू पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनाँक एवं समय	29.09.2025 15:00 बजे		
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	2,75,77,790.92/- रुपये	ऑफर की वैधता	90 दिन

No.:- MC-15-ROH-MB-25 Dated : 04.09.2025 **2715/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

No - MC-15-LHB-WB-MB-2025 **Date: 04.09.2025**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या MC-15-LHB-WB-MB-2025 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 29.09.2025 को 17:30 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैबसाइट पर खोले जाएंगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं.	MC-15-LHB-WB-MB-2025
कार्य का नाम	Modification to pipe laying for waste water as per CAI No B-2022/04 (option-1) in LHB coaches of Moradabad Division for the period of Eight months.		
निविदा टाइप	खुली निविदा	बिडिंग स्टाइल	सिंगल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनाँक एवं समय	29.09.2025 17:30 बजे		
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	32,58,570/- रुपये	ऑफर की वैधता	45 दिन

2714/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारत सरकार की अंतरमंत्रालयीय टीम ने थराली में हवाई सर्वे कर किया विस्तृत सर्वेक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : आपदा से हुई क्षति का आकलन करने के उद्देश्य से भारत सरकार की अंतरमंत्रालयीय टीम सोमवार को थराली क्षेत्र के दौरे पर पहुंची। टीम ने हवाई सर्वे के साथ स्थलीय निरीक्षण कर आपदा से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का बारीकी से अध्ययन किया। टीम ने सबसे पहले थराली के चेपड़ो, कोटडीप, राड़ीबगड़, देवाल के मोपाटा और नंदानगर प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया और साथ ही सड़क मार्ग से भी क्षतिग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कुलसारी रिलीफ सेंटर में आयोजित बैठक में पीपीटी के माध्यम से आपदा से हुयी विभागवार परिसंपत्तियों की क्षति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने चेपड़ो बाजार एवं अन्य आपदा ग्रस्त क्षेत्र में स्थानीय लोगों के आवासों के पीछे हो रहें भूस्खलन के बारे में टीम को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगातार वर्षा एवं भूस्खलन से सड़कों, पुलों, भवनों, पेयजल योजनाओं, विद्युत तंत्र तथा कृषि को भारी क्षति पहुंची है। जिलाधिकारी ने बताया कि आपदा से लगभग 11 सौ 50 करोड़ की विभागीय परिसंपत्तियों की क्षति का आंकलन किया गया है। साथ ही जिलाधिकारी ने विकासखंड ज्योतिर्मठ के पल्ला गांव में हो रहे भू-धसाव तथा नंदानगर क्षेत्र में लगातार सक्रिय हो रहे भू-धसाव से भी टीम को अवगत कराया। अंतर मंत्रालय केंद्रीय टीम का नेतृत्व कर रहें निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य आपदा से हुई वास्तविक क्षति का आंकलन करना है, ताकि भारत सरकार को प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवश्यक सहायता एवं पुनर्निर्माण कार्यों की योजना शीघ्र बनाई जा सके। टीम द्वारा किए गए हवाई सर्वेक्षण, स्थलीय निरीक्षण एवं प्रशासन से हुई विस्तृत चर्चा से प्राप्त जानकारी को संकलित कर विस्तृत रिपोर्ट भारत सरकार को भेजी जाएगी। इस रिपोर्ट के आधार पर आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, बुनियादी ढाँचे की बहाली तथा दीर्घकालिक सुरक्षा उपायों के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान अंतर मंत्रालय केंद्रीय टीम के सदस्य अनु सचिव शेर बहादुर, अधीक्षण अभियंता सुधीर कुमार, थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता रावत, पुलिस अधीक्षक सर्वेश पवार, अपर जिला अधिकारी विवेक प्रकाश, एसडीएम सोहन सिंह रांगण, एसडीएम पंकज भट्ट सहित सभी विभागीय अधिक और स्थानीय निवासी उपस्थित रहें।

टीम ने स्थानीय लोगों से ली नुकसान की जानकारी

क्षेत्र भ्रमण के दौरान भारत सरकार की अंतरमंत्रालयीय टीम ने स्थानीय निवासियों बात भी की उन्होंने पाया कि वर्षा एवं भूस्खलन से ग्रामीणों की आवागमन सुविधा गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह कट गया है। अनेक स्थानों पर मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और कुछ परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करना पड़ा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से पुनर्वास कार्यों, प्रभावित परिवारों को दी जा रही सहायता, राशन व चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, अस्थायी आश्रयों की व्यवस्था तथा सड़क मार्गों को शीघ्र खोलने के प्रयासों की जानकारी ली।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर निकाली विधिक जागरूकता रैली

रुद्रप्रयाग : अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रुद्रप्रयाग की ओर से एक विधिक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के दिशा-निर्देशों एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रुद्रप्रयाग सहदेव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मुख्य बाजार में निकाली गई रैली का नेतृत्व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पायल सिंह ने किया। स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित रैली का उद्देश्य शिक्षा और साक्षरता के महत्व को समाज तक पहुंचाना रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हर वर्ष 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना नहीं है, बल्कि यह व्यक्तिगत सशक्तिकरण, सामाजिक समावेश और राष्ट्र के विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि साक्षर व्यक्ति अपने अधिकारों को समझकर सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकता है और बेहतर जीवन जी सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नालसा हेल्पलाइन 15100, अधिकार मित्र की भूमिका, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, तथा आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी भी दी गई।

स्वाभिमान मोर्चा का प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

देहरादून। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा महानगर देहरादून ने सोमवार को प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रामकुमार शंखधर के नेतृत्व में मोर्चा के कार्यकर्ता लैंसडौन चौक पर एकत्रित हुए और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान शंखधर ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है, अपराध लगातार बढ़ रहा है। सरकार पीड़ितों की अनदेखी कर रही है। मोर्चा के सैनिक प्रकोष्ठ महासचिव राजेंद्र भट्ट ने कहा कि जनहित और प्रदेशहित से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। मोर्चा के रायपुर विधानसभा प्रभारी अनिल डोभाल ने कहा कि राज्य की हालत दिन प्रति दिन बिगड़ रही है, सरकारी अपनी नाकामी झूठे प्रचार से छिपा नहीं सकती।

स्थानीय लोगों ने अपनों की तलाश में उठाया गेंती, फावड़ा और सब्बल

रुद्रप्रयाग : बीते 11 दिनों से छेनागाड़ में लापता लोगों की तेजी से खोजबीन न करने से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सोमवार को स्वयं हाथों में गेंती, कुदाल, फावड़ा और सब्बल लेकर खुदाई की। इस दौरान आपपास के करीब 200 लोग वहां पहुंचे और खोजबीन में जुटे रहे। हालांकि प्रशासन द्वारा भी एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ की टीम भी खुदाई करती रही।

सोमवार को सुबह तालजामण, बसुकेदार, कालीमठ, अगस्त्यमुनि, जौला, बडेथ, उछोला, पाट्यों, बक्सीर, भुनाल गांव, मथ्या गांव, डांगी, खोड़ आदि गांवों के करीब 200 लोग छेनागाड़ पहुंचे। इस दौरान लोगों ने हाथ में गेंती, फावड़ा, सब्बल, कुदाल लेकर खुदाई शुरू की। ढेर की शक्ल में पड़े मलबे और बोल्डर को हटाया गया तो मौके से दो सिलेंडर, प्रेशर कुकर सहित कई बर्तन आदि बरामद हुए। इस क्षेत्र में काफी दुर्गंध भी आ रही थी। इस मौके पर उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के उपाध्यक्ष त्रिभुवन चौहान की मौजूदगी में सभी लोगों ने खुदाई की। खुदाई के दौरान लापता लोगों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। त्रिभुवन चौहान ने कहा कि शासन-प्रशासन की उपेक्षा और कछुआ गति को देखते हुए स्थानीय लोगों को स्वयं मलबा हटाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मलबा हटाने का काम जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

24 घंटे बाद विद्युत आपूर्ति बहाल

चमोली : कर्णप्रयाग-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग पर नारायणबगड़ और नलगांव के बीच 33 केवी विद्युत लाइन में फॉल्ट आने से पिंडर घाटी के नारायणबगड़, थराली और देवाल क्षेत्र में 24 घंटे बाद विद्युत आपूर्ति बहाल हो गई है। इन क्षेत्रों में रविवार शाम दोपहर एक बजे से विद्युत आपूर्ति ठप रही। लंबे इंतजार के बाद सोमवार दोपहर करीब 2 बजे बिजली बहाल हो सकी। बिजली गुल रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। न केवल घरों में अंधेरा छाया रहा, बल्कि पानी की आपूर्ति भी बाधित रही। मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं ठप होने से लोगों का संपर्क बाहरी दुनिया से कट गया। अवर अभियंता हेमंत चमोला ने बताया कि लाल मिट्टी स्थान पर पहाड़ी से आये भारी मलबे के कारण मुख्य लाइन पूर्ण रूप से वास आउट हो गयी थी, लेकिन भारी मशक्कत के बाद लाइन को ठीक कर विद्युत आपूर्ति सुचारु कर दी गई।

गैरसैंण प्रमुख ने मुख्यमंत्री की मुलाकात

चमोली : क्षेत्र प्रमुख दुर्गा रावत ने प्रतिनिधिमंडल के साथ दून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएचसी गैरसैंण में दो विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और मानकों के अनुरूप अन्य चिकित्सकों की तैनाती की मांग भी दोहराई। प्रतिनिधिमंडल ने लंबे समय से अधर में लटकी विनायकधार से कश्वीनगर तक सड़क निर्माण की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पर शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। मुलाकात करने वालों में नगर भाजपा अध्यक्ष हुकम सिंह नेगी, पंकज गैड़ी, यशवंत रावत, हरीश पंवार सहित अन्य नेता भी मौजूद थे। (एजेंसी)

गुमशुदगी दर्ज करने में लगा दिए पुलिस ने 70 दिन

हल्द्वानी। वैसे तो नैनीताल पुलिस इन दिनों सुर्खियों में है, लेकिन अब एक और मामले ने उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंबाला से हल्द्वानी आए एक युवक के लापता होने के बाद लिखित में पुलिस को तहरीर मिली, लेकिन गुमशुदगी दर्ज करने में पुलिस ने 70 दिन लगा दिए। रविवार रात गुमशुदगी दर्ज कर तलाश जारी होने की परिवार को जानकारी दी। मकान नंबर 59, प्रेमनगर अंबाला सिटी निवासी धीरेन मुदगल ने हल्द्वानी कोतवाली पुलिस को 30 जून को तहरीर देकर कहा था कि उनका 32 साल का भाई प्रशांत 25 जून को हल्द्वानी आया था। वह आनंदपुर आश्रम, धर्मपुरा में सेवा करने जाने की बात कहकर निकला था। आश्रम में फोन करके पता लगा कि 29 जून की शाम को प्रशांत हल्द्वानी से निकल गया है। काफी खोजबीन के बाद भी प्रशांत का कोई पता नहीं लग सका। जिसके बाद धीरेन ने लिखित तौर पर तहरीर दी। हल्द्वानी पुलिस ने तहरीर पर करीब 70 दिन बाद मुकदमा दर्ज किया है। ऐसे में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कोतवाल राजेश यादव का कहना है कि मामले में पुलिस की जांच जारी थी। अब मुकदमा दर्ज कर लिया है। लापता युवक को शीघ्र खोज लिया जाएगा।

बागजाला में मालिकाना हक के लिए धरना 22 वें दिन भी जारी

हल्द्वानी । बागजाला गांव में भूमि के मालिकाना अधिकार समेत आठ सूत्रीय मांगों को लेकर अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी के नेतृत्व में ग्रामीणों का धरना 22 वें दिन भी जारी रहा। किसान महासभा बागजाला की नेता हेमा देवी ने कहा कि यह हमारे बुजुर्गों की जमीन है इसको बचाने के लिए हमें आगे आना होगा।

घर में बैठ कर काम नहीं चलेगा सभी महिला पुरुषों को आंदोलन में बढ़–चढ़कर भागीदारी करनी होगी। अध्यक्ष डॉ. उर्मिला रैस्वाल ने कहा कि जब तक मांगों पर कार्रवाई नहीं होगी उनका धरना जारी रहेगा।

प्राधिकरण क्षेत्र में शामिल नहीं होंगे चौरास व आसपास के रेलवे स्टेशन

देहरादून। टिहरी के चौरास क्षेत्र को जिला विकास प्राधिकरण में शामिल नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही रानीहाट, मलेथा, नैथाना और देवलंगी रेलवे स्टेशन के दौ सौ मीटर की परिधि के क्षेत्र भी प्राधिकरण के दायरे में नहीं आएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को देवप्रयाग क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों को यह आश्वासन दिया है। देवप्रयाग के भाजपा विधायक विनोद कंडारी ने सोमवार को अपने क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की।

आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत हरबर्टपुर में शुरू हुई तीन दिवसीय कार्यशाला

देहरादून। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ''आदि कर्मयोगी अभियान'' के अन्तर्गत आज सोमवार को पी.सम. श्री राजकीय इन्टर कॉलेज, हरबर्टपुर देहरादून में तीन दिवसीय जिला प्रक्रिया प्रयोगशाला (डीपीएल) का शुभारम्भ किया गया। जिसमें भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय से रवि शेखर, अनुभाग अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विकम सिंह ने दीप प्रवजलन कर प्रयोगशाला का शुभारम्भ किया। ''आदि कर्मयोगी अभियान'' के अन्तर्गत जनपद–देहरादून के 04 विकास खण्डों के कुल 41 गांवों का चयन किया गया है जिसके अंतर्गत सभी 41 गाँवों में निवासरत समस्त जनजाति श्रेणी के व्यक्तियों को सरकार द्वारा संचालित समस्त लोक कल्याणकारी योजना से शत–प्रतिशत लाभान्वित किया जाना है।

प्रयोगशाला में राज्यस्तरीय, जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ ही सम्बन्धित विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारियों व संबंधित विभागों के विकास खण्ड स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया गया। प्रयोगशाला में राज्यस्तरीय/जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा ''आदि कर्मयोगी अभियान'' के जमीनी स्तर पर क्रिम्रान्वयन किए जाने हेतु संबंधित विभागों के विकास खण्ड स्तरीय अधिकारियों को जानकारी दी गई।

टीईटी की अनिवार्यता मामले में समाधान निकालने में जुटी सरकार

देहरादून। बेसिक शिक्षकों लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सरकार समाधान तलाशने में जुट गई है। टीईटी अनिवार्यता मामले में उत्तराखंड के 12 हजार शिक्षक सीधे प्रभावित हो रहे हैं। इन शिक्षकों की नियुक्ति 2010 से पहले की है, तब टीईटी की व्यवस्था नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से इन शिक्षकों के प्रमोशन और सेवा से जुड़े विषय लटक सकते हैं।

महाराष्ट्र के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की वजह से उत्तराखंड के बेसिक शिक्षकों को लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है। सरकार और शासन में इसके समाधान के लिए अलग–अलग स्तर पर बैठकें भी हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। समाधान निकालने के लिए विकल्पों को तलाश जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने को लेकर विधिक राय भी ली जा रही है।

हल्द्वानी में दशकों पुरानी इमारतें सुरक्षित नहीं

हल्द्वानी। हल्द्वानी में दशकों पुरानी इमारतें असुरक्षित श्रेणी में पहुंच चुकी हैं। इनमें आग लगने की घटना होने और मानसून काल में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। दमकल विभाग के सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ है। विभागीय अधिकारियों ने मकान मालिकों को सुरक्षा के उपाय करने के साथ ही निवास स्थान बदलने के सुझाव दिए हैं। नैनीताल में हाल ही में सामने आईं आग लगने की दो बड़ी घटनाओं के बाद दमकल विभाग सतर्क हो गया है।

हल्द्वानी में वनभूलपुरा, मंगलपड़ाव और बाजार क्षेत्र में निरीक्षण कर दशकों पुरानी ऐसी इमारतों को चिह्नित किया है जिनमें हादसे की आशंका हो सकती है। विभाग को 15 से 20 इमारतें मिली हैं जहां अग्निसुरक्षा के इंतजाम नहीं हैं। मानसून काल के लिए भी इन्हें सुरक्षित नहीं माना गया है। इनमें अधिकतर 60 से 100 साल तक पुरानी लकड़ी की इमारतें हैं। दमकल विभाग ने भवन मालिकों को सुरक्षित स्थानों पर निवास स्थल बनाने के सुझाव दिए हैं। नैनीताल में दो इमारतें हुईं आग से खाक हाल ही में नैनीताल के भवाली और मल्लीताल क्षेत्र में दो आग की घटनाओं ने जिम्मेदार विभागों के अधिकारियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। एक जून की रात भवाली बाजार में भीषण अग्निकांड हुआ, जिसमें बाजार की पांच दुकानें व भवन जलकर राख हो गए। आग लगने पर लोग जान बचाकर भागे। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों ने चार घंटे बाद आग पर काबू पाया। वहीं बीती 28 अगस्त को मल्लीताल में ओल्ड लंदन हाउस में आग लग गई थी। जिसमें इतिहासकार प्रो.अजय रावत की बहन 82 वर्षीय शांता बिष्ट की जलकर मौत हो गई थी। दोनों जगह लकड़ी की इमारतें थीं। कोटः टीम के साथ उच्चाधिकारियों के निर्देश पर निरीक्षण किया है।

442 यात्रियों ने कराया चारधाम यात्रा हेतु रजिस्ट्रेशन

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा फिर से शुरू होने पर ऋषिकेश में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए तीर्थयात्रियों की भीड़ जुटने लगी है। सोमवार को भी 442 यात्रियों ने पंजीकरण कराया। इसमें बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के लिए तत्काल रजिस्ट्रेशन दिया गया। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के लिए पंजीकरण तो किया जा रहा है, मगर मार्गों की स्थिति के अनुसार ही इन धामों की यात्रा करने की सलाह भी दी जा रही है। यात्रा प्रशासन संगठन के ओएसडी डॉ. प्रजापति नौटियाल ने बताया कि सोमवार को ऋषिकेश के चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण केंद्र में 442 तीर्थयात्रियों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। इनमें महाराष्ट्र, उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के यात्री शामिल थे। श्रीहेमकुंड साहिब के लिए भी 46 यात्रियों का रजिस्ट्रेश किया गया है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा करने से पूर्व मार्गों के खुले होने की अपडेट अनुसार ही यात्रियों को आगे भेजा जा रहा है।

अजय भट्ट ने राजीव जायसवाल को बनाया व्यापारी प्रतिनिधि

हल्द्वानी। सांसद अजय भट्ट ने हल्द्वानी के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए व्यापारी नेता राजीव जायसवाल को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। सोमवार को रामपुर रोड स्थित रेस्टोरेंट में आयोजित एक प्रेस वार्ता में अपनी नई जिम्मेदारी पर बोलते हुए राजीव जायसवाल ने कहा कि वे व्यापारियों की समस्याओं के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे और उनका हरसंभव समाधान करेंगे। उन्होंने बताया कि बड़े मामलों को सांसद अजय भट्ट के मार्गदर्शन में हल किया जाएगा। जीएसटी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि दो स्लैब होने से कई समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। जायसवाल ने सभी व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों से मिलकर उनकी समस्याओं को अधिकारियों तक पहुंचाने की बात कही। इस अवसर पर विभिन्न व्यापार मंडलों के प्रतिनिधियों ने राजीव जायसवाल का स्वागत और अभिनंदन किया।

अल्ट्रा पुअर महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का संबल

– आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं बंधन संस्था द्वारा स्वरोजगार किट वितरण

हरिद्वार। आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं बंधन संस्था के संयुक्त प्रयास से बहादराबाद विकासखंड स्थित जिला सभागार में 50 असहाय एवं जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार किट प्रदान की गई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत और ग्रामोत्थान रीप परियोजना प्रबंधक डॉ. संजय सक्सेना ने संयुक्त रूप से किट वितरित की।

आईटीसी समर्थित संस्था बंधन कोनागर अब तक 2100 अल्ट्रा पुअर (अत्यंत गरीब) महिलाओं को आजीविका संवर्धन हेतु सहयोग दे चुकी है। इनमें अधिकांश विधवा, दिव्यांग, एकल महिला, परित्यक्त अथवा परिवार में कमाने वाले पुरुष सदस्य से वंचित महिलाएं हैं। लाभार्थियों को सिलाई मशीनें, कॉस्मेटिक सामग्री और किराना दुकान सामग्री दी गई, ताकि वे स्वरोजगार कर आत्मनिर्भर बन सकें।

डॉ. सक्सेना ने कहा कि आईटीसी का यह प्रयास सराहनीय है। महिलाओं को रीप के अल्ट्रा पुअर मॉडल से जोड़कर स्थायी आजीविका उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यक्रम में आईटीसी मिशन सुनहरा कल से जुड़ी संस्थाएं भुवनेश्वरी महिला आश्रम, पीपीएचएफ, प्रथम एवं लोकमित्र ने सहभागिता निभाई।

डीएम दीक्षित की अध्यक्षता में हुआ जन सुनवाई कार्यक्रम

हरिद्वार। जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है,जनसुनवाई कार्यक्रम में 81 लोगों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं/शिकायतें दर्ज कराई गई जिसमें 30 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया शेष समस्याओं को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम प्रधान बिस्मिल्ला ने ग्राम गैंडीखाता में जंगल के पानी को रोकने के लिए तटबंध के निर्माण के लिए प्रार्थना पत्र दिया एवं ग्राम गैंडीखाता में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की बैठक के लिए भवन निर्माण और गैंडीखाता पोस्ट ऑफिस को जनपद बिजनौर यूपी से हटाकर हरिद्वार में संचालित करने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया। जगदीश प्रसाद पुत्र नाथु सिंह निवासी ग्राम हरजोली जट ने अपनी भूमि खसरा नंबर 757 स्थित मौजा हरजोली जट की पैमाईश वास्ते प्रार्थना पत्र दिया। तबस्सुम निवासी मुकर्रमपुर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर चयनित अभ्यार्थी के शैक्षिक प्रमाण पत्रों की जांच उपरांत ही नियुक्ति प्रदान किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। प्राथी प्रमोद कुमार ने जिला समाज कल्याण हरिद्वार के द्वारा पेंशनर की मृत्यु हो जाने पर बैंक को दी जाने वाली ठडउ के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। रीता पत्नी मनोज निवासी ग्राम रहमतपुर ब्लॉक रूड़की ने आवासीय पक्का मकान स्वीकृत किए जाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया, कमल सिंह बिष्ट ने लालढांग में उसकी भूमि पर सिंचाई के लिए बनी गुल पर किए गए अतिक्रमण को मुक्त करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

जेल के भीतर बिना अनुमति मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे कर्मचारी

हल्द्वानी। जेल में तैनात कर्मचारी अब अपने साथ मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे। इसके लिए उन्हें अनुमति लेनी होगी। बकायदा जेल अधीक्षक की ओर से अनुमति के अनुमोदन को पत्र भेजा गया है।

सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मुख्यालय के आदेशों पर जेल में मोबाइल फोन ले जाने को सशर्त लागू की गई है। जेल अधीक्षक प्रमोद पांडे ने बताया कि हाल ही में मुख्यालय की ओर से आदेश प्राप्त हुआ है। आदेश के मुताबिक जेल के दफ्तर में तैनात मिनिस्ट्रियल कर्मी जो कि पहले आसानी से मोबाइल फोन अंदर ले जा सकते थे, उसमें पाबंदियां लागू की गई हैं। मोबाइल फोन ले जाने के लिए अब अनुमति लेनी होगी। एक बार में मुख्यालय से अनुमोदन मिलने के बाद मोबाइल फोन लागू होगा।

अनुमोदन के लिए मुख्यालय को पत्राचार किया गया है। पांच से सात कर्मी ही ऐसे हैं जो दफ्तर में तैनात हैं। इसके अलावा अन्य लोगों या स्टाफ के लिए पहले से ही फोन ले जाना प्रतिबंधित है। बताया कि जेल अधीक्षक और जेलर को ही फोन ले जाना अलाउड है।

वरिष्ठजनों और शिक्षकों का सदैव सम्मान करना चाहिए: हरीश रावत

हरिद्वार। पूर्व मेयर अनीता शर्मा ने सोमवार को शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में कनखल स्विप बैंक्वेट हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कोठारी महंत राघवेंद्र सिंह, पूर्व मेयर अनीता शर्मा ने कई शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह सौंपकर सम्मानित किया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि वरिष्ठजनों और शिक्षकों का सदैव सम्मान करना चाहिए। उनके आशीर्वाद से जीवन की कठिनाइयां दूर होती है। कोठारी महंत राघवेंद्र सिंह ने कहा कि जो अपने गुरु और वरिष्ठों का सम्मान करता है उसे जीवन में कोई परेशानी नहीं होती। पूर्व मेयर अनीता शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सभी को साथ लेकर चलती है। सभी धर्म, जाति का सम्मान किया जाता है।

संगठन सृजन के लिए ब्लॉक में हुई बैठक, नए नामों पर चर्चा

हरिद्वार। कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत महानगर अध्यक्ष चुनाव के लिए पर्यवेक्षकों ने प्रत्येक ब्लॉक में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से वार्ता कर उनके पसंदीदा प्रत्याशी की जानकारी ली। केंद्रीय पर्यवेक्षक जगदीश ठाकोर ने कहा कि छह नाम सामने आए हैं और एक ही अध्यक्ष बनेगा। जो पांच रह जाएं उन्हें मायूस होने की आवश्यकता नहीं है। संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक किसी की बुराई सुनने नहीं आए हैं। जिस प्रत्याशी को पसंद करते हो उसकी अच्छाई सामने लाओ। पार्टी को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि जो भी जिलाध्यक्ष महानगर अध्यक्ष बनेगा, उस पर विधायक या सांसद का चुनाव लड़ने की कोई पाबंदी नहीं है। कई जगह पर ऐसा हुआ जिसके कारण अच्छे अध्यक्ष नहीं मिले जिससे संगठन को नुकसान हुआ।

नोटिस दिए जाने के विरोध में लघु व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया

हरिद्वार। सिंचाई विभाग की ओर से ललतारौ पुल के वेंडिंग जोन से बेदखली के नोटिस दिए जाने के विरोध में लघु व्यापारियों ने तुलसी चौक से नगर निगम कार्यालय तक जुलूस निकाला। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। सहायक नगर आयुक्त महेंद्र यादव से वार्ता कर सिंचाई विभाग की ओर से प्रथम वेंडिंग जोन में लाभार्थियों को नोटिस देने के जवाब में पत्राचार कर बताने की मांग की। इसके साथ ही पंतदीप पार्किंग, रोड़ी बेल वाला, विष्णु घाट, खड़खड़ी, भीमगोड़ा, भूपतवाला, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड इत्यादि क्षेत्रों के लघु व्यापारियों ने वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी गभीर सिंह तालयान की ओर से सत्यापित पंजीकरण पहचान पत्र दस्तावेज भी उन्हें सौंपे।

वसुधैव कुटुंबकम फाउंडेशन की महिला टीम ने कराया रक्तदान शिविर

हरिद्वार। वसुधैव कुटुंबकम फाउंडेशन की महिला टीम ने ब्लड वॉलिंटियर्स के सहयोग से सोमवार को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया। इसमें 146 लोगों ने रक्तदान किया। संस्था की अध्यक्ष रेनू अरोड़ा ने कहा कि रक्तदान शिविर का उद्देश्य केवल रक्त संग्रह करना ही नहीं था, बल्कि लोगों को रक्तदान के महत्व और इसके जरिए दूसरों की जिंदगी बचाने के संदेश से भी जोड़ना था। उन्होंने बताया कि महिला टीम का प्रयास है कि हर वर्ग में रक्तदान को लेकर जागरूकता फैलाई जाए। ब्लड वॉलिंटियर्स के संस्थापक अनिल अरोड़ा ने कहा कि शिविर न केवल रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करता है, बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति सकारात्मक संदेश भी फैलाता है। शिविर में सोनिया अरोड़ा, प्रीति आहूजा, निधि अग्रवाल, विनीता सिकोरिया, निधि चावला, रुचि तनेजा, गुंजन अरोड़ा, पूजा अरोड़ा, शेखर सतीजा, तुषार गाबा, विक्रम गुलाटी, विशाल अनेजा और आशीष धीमान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त हुई सभी सड़कों का तत्परता से आंकलन कर मरम्मत कार्य शुरू करें संबंधित अधिकारी : डीएम दीक्षित

हरिद्वार। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अधिशासी अभियंता लोनिवि, पीएमजीएसवाई और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि भारी वर्षा के कारण जो भी सड़के क्षतिग्रस्त एवं गड्ढा युक्त हो गई हैं उनको तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए है।

जिलाधिकारी ने सड़क से जुड़े संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उनके अधीन जो भी सड़के क्षतिग्रस्त हुई हैं उनका आंकलन कर उनका मरम्मत कार्य जल्द से जल्द शुरू करते हुए सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि वह भी अपने–अपने क्षेत्रों की सड़कों का निरीक्षण करते हुए जो भी सड़के क्षतिग्रस्त ही जिन्हें ठीक कराया जाना हैं उसकी सूचना संबंधित सड़क विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

***राज्य सेक्टर एवं जिला सेक्टर के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि का शीघ्रता से व्यय करना सुनिश्चित करें**

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य सेक्टर एवं जिला सेक्टर के अंतर्गत स्वीकृत की गई धनराशि के सापेक्ष जो भी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं उन कार्यों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करते हुए स्वीकृत धनराशि का व्यय करना सुनिश्चित करें,इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत जो विभाग बी एवं सी श्रेणी में चल रहे है,उन्हें ए श्रेणी में आने के निर्देश दिए हैं।

*जनपद में स्वीकृत विभिन्न विकास योजनाएं जो किन्हीं कारणों से संचालित नहीं हो पा रही हैं उसका विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासन द्वारा जो भी जन कल्याणकारी योजनाएं स्वीकृत की गई है तथा जो उनके माध्यम से संचालित हो रही है जो किन्हीं कारणों से जिसमें बजट उपलब्ध न होना,भूमि उपलब्ध न होना, जो भी स्थिति है उसका पूर्ण विवरण अगली जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जनपद में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है सभी अधिकारी अपने—अपने कार्यालयों एवं क्षेत्रों में चलाएं स्वच्छता अभियान

जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है इसके लिए सभी अधिकारी अपने–अपने कार्यालय एवं आस–पास क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाएं जो भी झाड़ियां हैं उनका भी कटान किया जाए। उन्होंने नगर निगम, नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों एवं जिला पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रो में सफाई अभियान चलाएं तथा जिन क्षेत्रों में कचरा एकत्रित हुआ है उसका उचित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला आपदा प्रबंधन को भी निर्देश दिए हैं कि भारी वर्षा के कारण जनपद में जो भी परिसंपत्तियों,परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हुई हैं उनका संबंधित विभागों से आंकलन प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे कि संबंधित योजनाओं के मरम्मत पर होने वाली व्यय धनराशि का आंकलन प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जा सके।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com